www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 198 ●ठाणे, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

शाहिद कपूर का दिखेगा दमदार गैंगस्टर अवतार

पेज 8

मासिक धर्म बहाना नहीं: श्रीलीला

8 पेज

सुप्रभात

खाली पेट कोई भी व्यक्ति बुद्धिमान नहीं हो सकता। लोगों से काम लेने के लिए मखमल के म्यान में तेज दिमाग होना चाहिए। - **इलियट**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (11 अप्रैल) 6:55 बजे, सूर्योदय (12 अप्रैल) 6:24 बजे, **तापमान: 32 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

आंबेडकर जयंती पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

महाराष्ट्र के कोंकण मंडल में सभी सरकारी एजेंसियों को 14 अप्रैल को डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह के लिए सख्ती से सुरक्षा व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि इस समारोह में हेलीकॉप्टर से पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा और पूरे संभाग में सामाजिक समता सप्ताह मनाया जाएगा। इस संबंध में कोंकण संभाग आयुक्त रुबल अग्रवाल ने कहा कि दादर स्थित चैत्यभूमि में लाखों श्रद्धालुओं के एकत्रित होने की संभावना है और इसलिए पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन को व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना होगा।

छात्रों और पर्यटकों को मेट्रो किराए में छूट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई की नई लाइफलाइन, मेट्रो-3 यानी एक्वा लाइन ने मुंबईकर स्टूडेंट्स और टूरिस्ट को बड़ा तोहफा दिया है। मेट्रो-3 से स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्रों की जरूरतों को समझते हुए बड़ा फैसला लिया है। अब 12वीं कक्षा तक के छात्र मेट्रो यात्रा पर 25% की सीधी छूट पा सकते हैं। यह रियायत 45 और 60 ट्रिप वाले मासिक पास पर लागू होगी। मेट्रो ने टूरिस्ट के लिए एक खास टूरिस्ट पास शुरू किया है। यह पास लेने के बाद आप जितनी बार चाहें उतनी बार यात्रा कर सकते हैं। दिन का पास (अनलिमिटेड यात्रा) सिर्फ 280 रुपए में की जा सकेगी। 3 दिन का पास (अनलिमिटेड यात्रा) सिर्फ 700 में की जा सकेगी।

लाडकी बहीण योजना पर कोर्ट का सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महायुति सरकार की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना अब कानूनी विवादों और अदालती तल्ख टिप्पणियों के घेरे में आ गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि सरकार के पास शिक्षकों और कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार बकाया भुगतान करने के लिए धन नहीं है, तो उसे अपनी लोकप्रिय योजनाओं को जारी रखने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पूछा कि जब आप लाडकी बहीण योजना के लिए 40,000 करोड़ रुपए खर्च कर सकते हैं, तो सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हक के पैसे देने के लिए फंड की कमी कैसे हो सकती है?

विकसित भारत के लिए कॉस्ट ऑडिट जरूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शुक्रवार को एक कुशल, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने में 'कॉस्ट ऑडिट' (लागत लेखा-परीक्षा) की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे-जैसे 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, उसके लिए लागत के मामले में प्रतिस्पर्धी होना बेहद जरूरी है। यहां इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) द्वारा आयोजित 'विकसित भारत के लिए कॉस्ट ऑडिट' पर राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि एक विकसित भारत का विजन आर्थिक विकास और औद्योगिक विस्तार से कहीं आगे तक जाता है।

वृंदावन में यमुना नदी में नाव पलटी

10 श्रद्धालुओं की मौत

नाव की स्पीड अचानक बढ़ी, फिर जाकर पीपा पुल से टकराई, कई अब भी लापता

हिंदमाता नेटवर्क @ मथुरा

मथुरा के वृंदावन में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। दोपहर 2:45 बजे के करीब श्रीबांके बिहारी मंदिर से करीब ढाई किमी की दूरी पर स्थित केशी घाट के पास पर्यटकों से भरी एक नाव (मोटर बोट) पोंटून पुल (पीपा पुल) से टकराने के बाद यमुना नदी में पलट गई। नाव में 30 से अधिक लोग सवार थे, जो नदी में गिर गए। इनमें से 10 लोगों की डूबकर मौत हो गई, जबकि 22 को बचा लिया गया। अब भी कुछ लोग नदी में लापता हैं और उनकी तलाश की जा रही है। मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि नाव में सवार लोग पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। स्थानीय गोताखोर गुलाब ने इस हादसे के लिए तेज हवा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में नाव अचानक तेज हवा से डगमगाने लगी और उसकी स्पीड भी बढ़ गई। देखते ही देखते नाव पीपा पुल (पांटून पुल) से टकराकर नदी में पलट गई और उसमें सवार सभी लोग गहरे पानी में गिर गए। मथुरा जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स और नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीमें, स्थानीय पुलिस करीब और 50 स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। मथुरा के डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि दुर्घटना का प्रारंभिक कारण यह प्रतीत होता है कि नाव पोंटून पुल से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ।

लापता लोगों की तलाश जारी

डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि घटनास्थल से दस शव बरामद किए गए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर डिपार्टमेंट और पुलिस की टीमें, स्थानीय गोताखोरों और नाविकों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। लापता लोगों की तलाश जारी है। मथुरा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि केशी घाट के पास यमुना नदी के एक हिस्से में नाव डूब गई है। अब तक 22 लोगों को नदी से बाहर निकाला जा चुका है।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

रावत ने कहा कि बचाए गए लोगों को एम्बुलेंस और पुलिस वाहन (पीआरवी) की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हम फिलहाल स्थिति का जायजा ले रहे हैं ताकि पता चल सके कि कितने लोग सुरक्षित हैं और कितने लोगों की जान गई है... यहां एक पोंटून पुल है। चूंकि यह पुल जर्जर हालत में था, इसलिए एक एजेंसी पोंटूनों की मरम्मत का काम कर रही थी। आशंका है कि यह दुर्घटना इसी मरम्मत कार्य के दौरान नाव के पोंटून से टकराकर पलटने के कारण हुई।

पंजाब से आया था 150 लोगों का दल

जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे। बताया गया है जिस नाव में लोग सवार थे वो भी पलट कर डूब गई है और उसकी तलाश भी जारी है। जिसकी यह नाव है वो प्राइवेट नाविक था।

हादसे पर पीएमओ ने जताया दुख

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस दुर्घटना पर संवेदनाएं व्यक्त की हैं। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना से गहरा दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

सीएम योगी ने हादसे पर जताया शोक

इस दुखद घटना पर योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

समाजवादी पार्टी ने सरकार को घेरा

समाजवादी पार्टी मीडिया सेल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार के परिणाम स्वरूप मथुरा के वृंदावन में यमुना नदी में नाव डूबने से कई लोगों की मौत और कई के लापता होने की सूचना स्तब्धकारी है, दुखद है। मृतकों के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि, परिजनों के प्रति संवेदनाएं, सभी को समुचित मुआवजा दे सरकार। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि पूरे वृंदावन मथुरा समेत उत्तर प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों का भाजपा ने व्यवसायीकरण कर दिया है, लूटखसोट कर रही है, जिसके कारण अक्सर इन धार्मिक स्थलों पर अव्यवस्था कुप्रबंधन एवं भ्रष्टाचार के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही है और उसमें लोगों की जाने जा रही हैं जिसकी जिम्मेदार यह भ्रष्ट भाजपा सरकार है।

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में नाव पलटी

10 श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया गया

हिंदमाता नेटवर्क @ खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में शुक्रवार को नाव पलटने के बाद 10 श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब नाव में सवार श्रद्धालु भगवान शिव के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की परिक्रमा कर रहे थे। उन्होंने बताया, ओंकार मठ और नागर घाट के बीच लकड़ी की नाव के नीचे चट्टान आ जाने से नाव असंतुलित होकर पलट गई। सभी 10 श्रद्धालुओं ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर राज्य आपदा मोचन बल और स्थानीय गोताखोरों ने श्रद्धालुओं को नर्मदा नदी में डूबने से बचा लिया। उन्होंने बताया, बचाए गए श्रद्धालुओं में से दो लोगों ने घबराहट और पेट में पानी जाने की शिकायत की। प्राथमिक उपचार के बाद इनमें से एक महिला को सनावद के अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी 10 श्रद्धालु झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले हैं।

महाराष्ट्र में फिर सजने लगा सियासत का रेडीमेड बजार?

ऑपरेशन टाइगर की हवा

■ विपक्ष बोला- अफवाह; शिवसेना में अंदरूनी असहजता के संकेत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

एक अदृश्य महाशक्ति के इशारे पर पिछले चार-साढ़े चार साल से महाराष्ट्र की राजनीति में विधायकों, सांसदों और दमदार नेताओं का रेडीमेड बाजार-सा सजने लगा है। चुनाव से पहले दूसरी पार्टी के तथाकथित दमदार और भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को तोड़-तोड़कर अपने पाले में करना, दूसरी पार्टी से जीते विधायकों और सांसदों को धनबल के बूते या फिर जांच एजेंसियों का भौकाल दिखाकर दलबदल के लिए राजी या मजबूर करना और ऐसा करके महाराष्ट्र के करोड़ों मतदाताओं का अपमान करना अब महाराष्ट्र में सत्ता पक्ष का प्रिय शगल बन गया है। आलम यह है कि राज्य में सबसे मजबूत पार्टी के कार्यालय के बाहर एक खाली जगह हमेशा पक्ष-प्रवेश का मंच तैयार करने के लिए सुसज्जित रहती है। महाराष्ट्र का आम मतदाता भी अब धीरे-धीरे राजनीति की इस नौटंकी का आदी हो चला है। दलबदल के इस घनघोर माहौल में अब एक बार फिर ऑपरेशन टाइगर की चर्चा हो रही है। बार-बार अपनी ही मूल पार्टी का तांगा पलटी करने, विकेट लेने, ऑपरेशन करने का राजनीतिक राग अलापनेवाले विभाजित शिवसेना के शिंदे गुट के मुखिया एकनाथ शिंदे के संपर्क में शिवसेना यूबीटी के आठ सांसद बताए जा रहे हैं। इसे ऑपरेशन टाइगर नाम दिया गया है। कुछ दिन पहले शिंदे खेमे के सांसद प्रतापराव जाधव के घर आयोजित एक भोज से इस ऑपरेशन टाइगर को हवा मिली थी। शुक्रवार को अचानक ऑपरेशन टाइगर की चर्चा फिर तेज हुई। आलम यह रहा कि शिवसेना यूबीटी के सांसद मीडिया के सामने आकर अपनी वफादारी की कसमें खाने लगे। महाराष्ट्र की आम जनता का अब नेताओं की ऐसी कसमों पर से विश्वास उठ गया है, लेकिन ताज्जुब तो तब हुआ जब शिंदे खेमे के कई नेता सामने आकर इसे अफवाह बताने लगे। ऐसे में महाराष्ट्र की डावांडोल राजनीति के रेस्टोरेंट की नियमित सैर करनेवाले कुछ तुक्केबाजों का कहना है कि ऑपरेशन टाइगर अदृश्य महाशक्ति से ग्रीन सिग्नल नहीं मिलने के कारण ही ऑपरेशन भीगी बिल्ली बन गया है। दरअसल शिंदे की शिवसेना के अभी सात सांसद हैं। अगर शिवसेना यूबीटी के छह-सात सांसद टूटकर या तोड़कर साथ लाए जाते हैं तो सांसदों की शक्ति के मामले में शिंदे खेमा मजबूत हो जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद की उसकी दावेदारी फिर मजबूत हो जाएगी। चूंकि बीजेपी अब मुख्यमंत्री पद की खैरात किसी और को देने के मूड में नहीं है, इसलिए ऑपरेशन टाइगर को ऑपरेशन भीगी बिल्ली बना दिया गया है।

उद्धव ठाकरे की पार्टी के भीतर भारी नाराजगी

शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद नरेश म्हस्के के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों में नेतृत्व को लेकर भारी असंतोष है। चुनाव के दौरान उद्धव ठाकरे का मुंबई से बाहर न निकलना कार्यकर्ताओं को खल रहा है। सांसद म्हस्के ने कहा कि पार्टी के भीतर चल रही आपसी कलह के कारण चुने हुए प्रतिनिधि एकनाथ शिंदे से मिलने की योजना बना रहे हैं, और यह कि पार्टी टूटने की कगार पर है। ऐसी झूठी खबरें शिवसेना (यूबीटी) के ही नेता फैला रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने किया खंडन

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के उनकी पार्टी में शामिल होने की खबरों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार बताया। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने एक बयान में कहा कि उनके और शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के बीच कथित बैठक की खबरें भ्रामक हैं। अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि शिवसेना (यूबीटी) के सांसद दल-बदल कर शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। ये पूरी तरह निराधार हैं और इनका उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना है।

ऑपरेशन टाइगर पर विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि सत्ता में होने के बावजूद शिवसेना में, जिसमें एकनाथ शिंदे और उनके मंत्री जैसे शीर्ष नेता भी शामिल हैं, एक तरह की असहजता दिखाई दे रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिंदे ने हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों से मुलाकात की है और क्या उद्धव ठाकरे की पार्टी का एक हिस्सा सत्ताधारी शिवसेना में शामिल हो सकता है, तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सत्ताधारी गठबंधन के मंत्रियों से मिलना सामान्य है। उन्होंने किसी भी राजनीतिक पुनर्गठन की संभावना से इनकार किया। वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि हवा में उड़ रहे सभी दावे जमीनी हकीकत को नहीं दर्शाते।

एनसीपी नेता ने भी बताया कल्पना

एनसीपी (एसपी) के नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने ऑपरेशन टाइगर' के अस्तित्व पर ही सवाल उठाया और इसे अटकलबाजी करार दिया। उन्होंने दावा किया कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और अपने नेता का पुरजोर समर्थन करते हैं। देशमुख के अनुसार, इस एकजुटता को देखते हुए निकट भविष्य में किसी बड़े राजनीतिक उथल-पुथल या पार्टी विभाजन की संभावना बहुत कम है।

अजित पवार प्लेन क्रैश: रोहित पवार की सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप

हादसे के बहाने आरोपों के तीर

■ वीएसआर के मालिक को लेकर किया सनसनीखेज दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर विमान हादसे के बहाने आरोपों के तीर चलने शुरू हो गए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे के मामले में सनसनीखेज दावे किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। उनकी पोस्ट के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

वीएसआर एविएशन के मालिक पर गंभीर आरोप

रोहित पवार ने दावा किया कि दिल्ली में एक समारोह से लौटते समय महाराष्ट्र के एक बड़े नेता ने वीआरएस के विमान का उपयोग किया। उनके अनुसार, प्राइवेट चार्टर टर्मिनल पर वीएसआर के मालिक वीके सिंह स्वयं उस नेता के स्वागत के लिए मौजूद थे और उन्होंने नेता के निजी सहायक को कुछ दस्तावेज भी सौंपे। रोहित पवार ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी उल्लेख किया कि अजित पवार विमान हादसा में मृत पायलट कपूर का पुत्र उस विमान का पायलट था, जिसे लेकर उन्होंने संदेह जताया। उन्होंने कहा कि अजित पवार की मौत के मामले को हल्के में न लें।

मुंबई एयरपोर्ट पर गोल्ड स्मगलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

ऑपरेशन धाहाबू ब्लिट्ज

■ 38 करोड़ का सोना जब्त, 24 महिलाएं गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनके पास से 29.37 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 37.74 करोड़ रुपए है। अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट ने बुधवार को 'ऑपरेशन धाहाबू ब्लिट्ज' चलाया। इसे इस वर्ष मुंबई एयरपोर्ट पर हुई सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। 'धाहाबू' स्वाहिली भाषा में सोने को कहा जाता है। अब तक कुल 26 तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बैग और कपड़ों में छिपाया था सोना

अधिकारियों ने बताया कि डीआरआई को सूचना मिली थी कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिलाएं अपने साथ सोना छिपाकर ला रही हैं। इसके बाद नैरोबी से मुंबई पहुंची 24 विदेशी महिलाओं को रोका गया। उनकी जांच के दौरान बैग और कपड़ों से 25.10 किलोग्राम सोने की ईंटें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए।

महिलाओं को दी गई थी विशेष ट्रेनिंग

जांच में सामने आया कि इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बच निकलने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक सुनियोजित तस्करी गिरोह है, जो ऐसे कैरियर के जरिए एयरपोर्ट सुरक्षा को चकमा देने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं को अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि तस्करी रैकेट के सरगनाओं को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

अधिकारियों को देखकर घबरा गए तस्कर

8 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे यात्री ग्रीन चैनल की ओर बढ़े, लेकिन अधिकारियों को देखकर वहां से हट गए। पूछताछ के दौरान 25 यात्रियों ने अपनी पहचान बताई, जबकि 26वें यात्री को फर्जी पासपोर्ट इस्तेमाल करने की कोशिश के आरोप में पहले ही हिरासत में लिया गया था।

हिंदमाता एंकर: कमर दर्द, कठिन प्रसव, दांतों की भीड़ और साइनस संक्रमण जैसी समस्याएं केवल संयोग नहीं, बल्कि हमारे विकासवादी इतिहास का परिणाम हैं, नए अध्ययन में कई बातों से पर्दा हटा

मानव शरीर परफेक्ट डिजाइन नहीं है, बल्कि विकास के लंबे दौर का परिणाम है : अध्ययन

हिंदमाता डेस्क @ मुंबई

ब्रिटेन की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के एनॉटॉमी विभाग में प्राध्यापक लकी ई हाइड की एक अध्ययन रिपोर्ट ने मानव शरीर की डिजाइन को लेकर अहम खोज की है। मानव शरीर को अक्सर बेहतरीन डिजाइन का अद्भुत उदाहरण बताया जाता है जो सुंदर, कुशल और अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह अनुकूल है। लेकिन करीब से देखने पर एक अलग तस्वीर सामने आती है। वास्तव में, यह एक त्रुटिरहित मशीन नहीं, बल्कि लाखों वर्षों में विकास के दौरान हुए बदलावों का परिणाम है। विकास में नई संरचनाएं शून्य से नहीं बनतीं, बल्कि पहले से मौजूद संरचनाओं में जरूरत के अनुसार, सुधार करता है। इसके परिणामस्वरूप मानव शरीर की कई विशेषताएं पर्याप्त रूप से ठीक समाधान हैं। वे कार्यात्मक तो हैं, लेकिन पूर्ण नहीं हैं। कई बीमारियां और शारीरिक समस्याएं इन्हीं सीमाओं से उत्पन्न होती हैं।

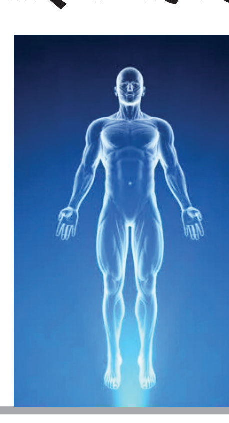

रीढ़ की हड्डी: मानव शरीर में रीढ़ अर्थात स्पाइन इस तर्क का सबसे अच्छा उदाहरण है। हमारी कशेरुक स्तंभ यानी वर्टिब्रल कॉलम का विकास चार पैरों वाले, पेड़ों पर रहने वाले पूर्वजों से हुआ, जहां इसका मुख्य कार्य लचीलेपन के साथ शाखाओं के बीच चलना और स्पाइनल कॉर्ड की रक्षा करना था। जब मनुष्य सीधा चलने लगा, तो रीढ़ को शरीर का वजन संभालने और संतुलन बनाए रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिली तथा उस पर दबाव बढ़ा। रीढ़ का लचीलापन वजन को संतुलित करने में मदद करता है, लेकिन इससे कमर दर्द, डिस्क खिसकने और अन्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ता है। ये समस्याएं इसलिए आम हैं क्योंकि रीढ़ वह काम कर रही है, जिसके लिए वह मूल रूप से विकसित नहीं हुई थी।

गर्दन: गर्दन में मौजूद रिकरेंट लेरिंजियल नर्व भी एक असामान्य संरचना का उदाहरण है। यह नस वेगस नर्व की शाखा है तथा हृदय की गति और आराम और पाचन के दौरान धड़कन तथा श्वांस को नियंत्रित करती है। यह बोलने व निगलने में भी मदद करती है। सीधे रास्ते से मस्तिष्क से गले तक जाने के बजाय यह नस पहले छाती में नीचे जाती है, एक प्रमुख धमनी के चारों ओर घूमती है और फिर वापस गले तक आती है। यह जटिल मार्ग किसी बुद्धिमान डिजाइन का परिणाम नहीं, बल्कि मछली जैसे पूर्वजों से विरासत में मिला है। समय के साथ गर्दन लंबी हुई, लेकिन नस का रास्ता नहीं बदला। इससे सर्जरी के दौरान चोट का जोखिम बढ़ जाता है।

आंखें: मानव आंखें भी विकासवादी समझौते को दर्शाती हैं। आंख के पीछे स्थित रेटिना है, और प्रकाश को फोटोरिसेप्टर तक पहुंचने से पहले तंत्रिका परतों से गुजरना पड़ता है। ऑप्टिक नर्व रेटिना के पीछे से बाहर निकलती है, जिससे दृष्टि क्षेत्र में एक ब्लाइंड स्पॉट बनता है, जहां हम देख नहीं सकते। हालांकि मस्तिष्क इस कमी को भर देता है, इसलिए हमें इसका एहसास नहीं होता। इस प्रकार, उत्कृष्ट दृष्टि के बावजूद हमारी दृश्य प्रणाली में यह खामी मौजूद है।

दांत: मानव दांत भी बताते हैं कि विकास टिकाऊपन से अधिक कार्यक्षमता को प्राथमिकता देता है। मनुष्यों में केवल दो बार दांत आते हैं—दूध के और स्थायी। एक बार स्थायी दांत टूटने या गिरने के बाद वे दोबारा नहीं आते, जबकि शार्क जैसे जीवों में दांत लगातार बनते रहते हैं। अक्ल दाढ़ (विजडम टीथ) विकास में देरी का उदाहरण हैं। हमारे पूर्वजों के जबड़े बड़े थे और कठोर भोजन के लिए उपयुक्त थे। समय के साथ भोजन नरम हुआ और जबड़े छोटे हो गए, लेकिन दांतों की संख्या उतनी ही रही। इस कारण कई लोगों में अक्ल दाढ़ के लिए जगह नहीं बचती, जिससे दर्द और सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

वसई-विरार में ऑटो रिक्शा का आतंक!

1307 नए परमिट बने जी का जंजाल

हड़बड़ाए प्रशासन ने लगाई रोक

हिंदमाता संवाददाता @ वसई-विरार

कभी विकास की दौड़ शामिल पालघर जिले का वसई-विरार आज ऑटो रिक्शाओं के बेतहाशा बोझ तले कराह रहा है। शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले ये तीन पहिए अब आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। एक साल के भीतर बांटे गए 1307 नए परमिटों ने रही-सही कसर पूरी कर दी है, जिससे पूरा शहर एक विशाल ट्रैफिक जाम में तब्दील होता नजर आ रहा है।

परमिटों की बरसात और प्रशासन की लापरवाही

परिवहन विभाग के आंकड़ों ने सबको चौंका दिया है। वर्ष 2025-26 के दौरान जिस रफ्तार से नए लाइसेंस बांटे गए, उसके मुकाबले सड़कों का विस्तार रत्ती भर भी नहीं हुआ। विरार, नालासोपारा और वसई जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में अब पैदल चलना भी दूभर हो गया है। रेलवे स्टेशनों के बाहर रिक्शा चालकों का कब्जा इस कदर है कि एम्बुलेंस को भी रास्ता मिलना मुश्किल हो जाता है।

अब जागे हुक्मरान, लाइसेंस पर लगा ब्रेक

देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर, महाराष्ट्र सरकार ने अब स्थिति की गंभीरता को समझा है। 9 मार्च 2026 से नए रिक्शा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। परिवहन विभाग अब 'शहर की वहन क्षमता का अध्ययन करेगा, रोजगार और सुविधा के नाम पर शहर को कबाड़खाना नहीं बनाया जा सकता है। यदि प्रशासन ने लाइसेंस निलंबन के साथ-साथ कड़ाई से यातायात नियमों को लागू नहीं किया, तो वसई-विरार की सड़कें पूरी तरह से 'लॉकडाउन' की स्थिति में पहुंच जाएंगी। अब सबकी निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

ईंधन के लिए 5 पंपों पर आते हैं हजारों रिक्शा

वसई-विरार शहर में केवल रिक्शाओं की संख्या बढ़ी है, बुनियादी सुविधाएं नहीं। पूरे क्षेत्र में मात्र 4 से 5 सीएनजी पंप चालू हालत में हैं। गैस भरवाने के लिए हजारों रिक्शा आते हैं, जिनकी पंपों पर लंबी कतारें लगती हैं, जो किसी कुरुक्षेत्र' के युद्ध से कम नहीं लगतीं। चालकों को गैस के लिए 4 से 6 घंटे लाइन में लगना पड़ता है। ईंधन के लिए चालकों को फाउंटेन या घोड़बंदर हाईवे तक दौड़ लगानी पड़ रही है।

वसई-विरार की जनता की प्रमुख मांगें

नया ट्रैफिक सर्वे: नए आधिकारिक रिक्शा स्टैंड का निर्धारण हो।
जुर्माने का हंटर: स्टेशन परिसर में अवैध पार्किंग करने वालों पर भारी जुर्माना लगे।
सीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर: पंपों की संख्या तुरंत बढ़ाई जाए ताकि सड़कों पर लगने वाली कतारें खत्म हो।
सड़कें हमारी है या रिक्शा वालों की? स्थानीय निवासी दीपक शर्मा ने बताया कि प्रशासन ने बिना किसी नियोजन के लाइसेंस बांट दिए और अब भुगतना जनता को पड़ रहा है। अवैध पार्किंग और दबंगई के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई जरूरी है।

मुंबई के बाद इन तीन शहरों में शुरू होगी पॉड टैक्सी

ठाणे-मीरा-भायंदर का सफर होगा आसान

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

मुंबई महानगर क्षेत्र के निवासियों के लिए राहत भरी खबर है। एमएमआर में नागरिकों को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए वैकल्पिक यातायात के साधनों पर जोर दिया जा रहा है। दहिसर से मीरा-भायंदर में काशीगांव तक मेट्रो की शुरुआत होने के बाद अब ठाणे से मीरा-भायंदर को मेट्रो से जोड़ने के काम में तेजी लाने का प्रयास शुरू हो गया है।

गायमुख से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक मेट्रो

राज्य सरकार ने ठाणे-मीरा-भायंदर इलाके में बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए गायमुख रेतीबंदर से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक (घोड़बंदर) तक मेट्रो-10 प्रोजेक्ट की योजना बनाई है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि अब मेट्रो 10 प्रोजेक्ट को फास्ट ट्रैक पर लाने का निर्णय हुआ है। ठाणे मीरा-भायंदर में मेट्रो रोड इंफ्रा के मामले में एमएमआरडीए अधिकारियों के साथ हुई बैठक में फैसला किया गया।

9.7 किमी लंबा एलिवेटेड मेट्रो प्रोजेक्ट होगा शुरू

काशीगांव से दहिसर चेक नाका तक मेट्रो कनेक्ट होने के बाद अब ठाणे के गायमुख से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक 9.7 km लंबे एलिवेटेड मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रोसेस अगले हफ्ते शुरू किया जाएगा। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देश पर एमएमआरडीए में हुई मीटिंग में लिया गया है। दहिसर-काशीगांव रूट को बढ़ाकर गायमुख तक ले जाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को 2029 तक पूरा करने का टारगेट रखा गया है। इस तरह घोडबंदर से ठाणे कासारवडवली-गायमुख और मीरा-भायंदर मेट्रो आपस में जुड़ जाएंगी।

इन तीन शहरों में भी पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट की होगी शुरुआत

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि मुंबई में कुर्ला से बीकेसी तक पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट की शुरुआत हो चुकी है। अब ठाणे, मीरा-भायंदर और नवी मुंबई में पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट को पीपीपी बेसिस पर लागू करने का प्लान है। इसके लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट अगले छह महीनों में पूरी हो जाएगी।

घोड़बंदर रोड पर 30 के बदले 60 मीटर सड़क

घोड़बंदर रोड पर भारी ट्रैफिक जाम को ध्यान में रखते हुए, 30 मीटर चौड़ी सड़क को 60 मीटर चौड़ा करने का फैसला किया गया है। गायमुख और काशीगांव के बीच करीब 5.5 से 6 किमी चौड़ी सड़क के लिए जरूरी जमीन एमएमआरडीए के जरिए खरीदी जाएगी। इसके साथ ही, ठाणे और मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन लिमिट में अलग-अलग रोड प्रोजेक्ट्स के लिए जल्द ही टेंडर प्रोसेस भी शुरू होगा। सरनाईक ने कहा कि घोड़बंदर रोड पर चौड़ीकरण का काम मॉनसून से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। महाविरतण के पोल शिफ्ट करने का काम भी अगले तीन महीनों में पूरा करने के आदेश दिए गए हैं।

गैस सिलेंडर किल्लत से बिगड़ा आम आदमी का बजट

• होटल-मेस में खाने के दाम 25% तक बढ़े

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे शहर में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी का सीधा असर अब आम नागरिकों की जेब पर पड़ने लगा है। गैस आपूर्ति बाधित होने से होटल, मेस और नाश्ते की दुकानों पर खाद्य पदार्थों के दाम काफी बढ़ गए हैं। बढ़ती लागत का भार व्यवसायियों को ग्राहकों पर डालना पड़ रहा है, जिससे महंगाई का असर और गहरा गया है। नियमित सप्लाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई पिछले कुछ दिनों से पुणे शहर में गैस सिलेंडरों की नियमित सप्लाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। होटल व्यवसायियों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि व्यावसायिक सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। थाली और नाश्ते के दाम में 20-25% तक की बढ़ोतरी कई स्थानों पर सिलेंडर की भारी कमी के कारण व्यवसायियों को मजबूरन 'ब्लैक' (कालाबाजारी) में सिलेंडर खरीदने पड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्हें 2 से 3 हजार रुपए तक अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। इससे होटल संचालन की लागत में भारी वृद्धि हुई है। गैस होटल उद्योग का मुख्य आधार है। वर्तमान में गैस की कीमत और उपलब्धता, दोनों प्रभावित होने से संचालकों को अपने मेन्यू के दाम बढ़ाने पड़े हैं। नाश्ते, थाली और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। पहले 60 रुपए में मिलने वाली थाली अब 80 से 90 रुपए तक पहुंच गई है, वहीं कुछ स्थानों पर यह 100 रुपए में बेची जा रही है। इसके अलावा, चाय और कॉफी के दामों में भी प्रति कप 3 से 5 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। पोहे और उपमा जैसे लोकप्रिय नाश्ते, जो पहले 20 रुपए में उपलब्ध थे, अब 25 रुपए में मिल रहे हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर पुणे शहर के छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और उन दैनिक उपभोक्ताओं पर पड़ा है, जो नियमित रूप से बाहर भोजन करते हैं।

गैस सप्लाई सुचारू बनाने की मांग

मेस सेवाओं पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिला है। पहले जहां दो वक्त के भोजन के लिए मासिक (मंथली) 3,000 रुपए लिए जाते थे, वहीं अब यह बढ़कर 3,500 से 3,800 रुपए तक पहुंच गया है। इसके साथ ही मेस में चपाती और भाकरी के दाम भी बढ़ गए हैं। चपाती की कीमत 5 रुपए से बढ़कर 7 रुपए हो गई है, जबकि भाकरी 12 रुपए से बढ़कर 20 रुपए तक पहुंच गई है। इस मूल्य वृद्धि के कारण नागरिकों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि पहले से ही महंगाई का दबाव झेल रहे आम आदमी के लिए यह स्थिति और मुश्किलें पैदा कर रही है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि वह इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर गैस सिलेंडर सप्लाई सुचारू करे।

लोगों में असंतोष

नवी पेठ के किसी भी मेस, होटल या नाश्ते के स्टॉल पर जाएं, हर जगह दाम बढ़े हुए हैं। इससे हमारे मासिक बजट पर काफी दबाव पड़ा है। गैस के दाम बढ़ने के बावजूद वह समय पर उपलब्ध नहीं हो रही है। हमें मजबूरी में ब्लैक में ज्यादा कीमत देकर सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। खाद्य तेल और अन्य सामग्रियों के दाम भी बढ़ गए है, जिसके कारण हमें रेट बढ़ाना पड़ा।

भिवंडी में 24 घंटे जलापूर्ति रहेगी बंद

कई इलाकों में कम दबाव से मिलेगा पानी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका ने प्री-मानसून मेंटेनेंस कार्य के चलते शहर में 24 घंटे जलापूर्ति बंद रहने की सूचना जारी की है। इस शटडाउन के कारण कई क्षेत्रों में पानी की कमी की स्थिति बन सकती है।

शटडाउन का समय

मनपा प्रशासन के अनुसार, 11 अप्रैल सुबह 9 बजे से 12 अप्रैल सुबह 9 बजे तक स्टेम वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन एंड कंपनी द्वारा पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। इसके बाद भी एक दिन तक कम दबाव से पानी मिलने की संभावना है।

इन इलाकों पर असर

ममता टाकी, पटेल नगर, नारपोली, शिवाजीनगर, कल्याण रोड, अंजूरफाटा, इस्लामपुरा, अवचितपाडा, शास्त्रीनगर, नेहरूनगर, मिल्लतनगर, कोटरगेट, कणेरी, भादवड और टेमघर सहित कई इलाकों में जल संकट का असर देखा जाएगा।

नागरिकों से अपील

जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप जी. पटनावर ने नागरिकों से पहले से पानी का भंडारण करने और सावधानी से उपयोग करने की अपील की है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मरम्मत कार्य के बाद सप्लाई धीरे-धीरे सामान्य कर दी जाएगी।

गोल मैदान का खेल परिसर बना खतरा

करोड़ों खर्च के बावजूद हाल बदहाल

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

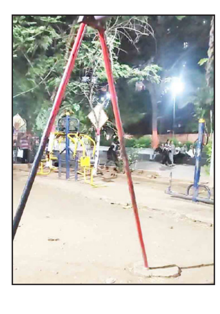

शहर के गोल मैदान स्थित खेल परिसर की हालत बदहाल हो गई है। बच्चों के खेल और मनोरंजन के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए इस परिसर में अब टूटे-फूटे झूले, जंग लगे उपकरण और क्षतिग्रस्त स्लाइड बच्चों के लिए खतरा बन चुके हैं। कई जगहों पर लोहे के हिस्से बाहर निकले हुए हैं और बोल्ट-नट ढीले पड़े हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

रखरखाव में लापरवाही

स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि परिसर की नियमित देखरेख नहीं हो रही। सुरक्षित सतह के बजाय कई स्थानों पर सख्त जमीन है, जिससे गिरने पर गंभीर चोट का खतरा बढ़ गया है। जंग लगे उपकरण और टूटी संरचनाएं अब खेल का साधन नहीं, बल्कि हादसे का कारण बन रही हैं।

जनप्रतिनिधियों पर सवाल

मामले को लेकर महापौर अश्विन निकम, विधायक कुमार आयलनी और सांसद एकनाथ शिंदे की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों ने मांग की है कि खेल परिसर का तत्काल तकनीकी ऑडिट कराया जाए, खतरनाक उपकरण हटाए जाएं और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बुजुर्ग से डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर 28 लाख की ठगी

पुलिस और आतंकी कनेक्शन का दिखाया डर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले से साइबर अपराध का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां कल्याण पश्चिम के रौनक सिटी में रहने वाले एक 64 वर्षीय बुजुर्ग को शातिर ठगों ने अपना शिकार बनाया और 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए उनसे करीब 28 लाख रुपए की बड़ी रकम वसूल ली।

कैसे बुना गया ठगी का जाल?

खडकपाडा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, यह पूरी घटना 1 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच की है। पीड़ित बुजुर्ग के पास अलग-अलग व्हाट्सएप वीडियो और ऑडियो कॉल आए। फोन करने वालों ने खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताया। ठगों ने बुजुर्ग पर दबाव बनाते हुए दावा किया कि उनके बैंक खाते मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े पाए गए हैं।

7 दिनों तक चला मानसिक टॉर्चर

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने बुजुर्ग को गिरफ्तारी और जेल जाने की धमकी देकर बुरी तरह डरा दिया था। खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए ठगों ने उन्हें 'सत्यापन और जांच' का झांसा दिया। उन्होंने बुजुर्ग को मजबूर किया कि वे जांच पूरी होने तक अपने बैंक खाते से पैसे उनके बताए गए 'सरकारी खातों' में ट्रांसफर कर दें, ताकि उनकी शुद्धता की जांच की जा सके।

डर के कारण गंवाए 27.9 लाख रुपए

साइबर अपराधियों के दबाव और गिरफ्तारी के डर से बुजुर्ग इस कदर घबरा गए कि उन्होंने किस्तों में कुल 27,90,000 रुपए आरोपियों द्वारा दिए गए बैंक खातों में भेज दिए। जब कई दिनों बाद भी आरोपियों का संपर्क नहीं हुआ और पैसे वापस नहीं मिले, तब बुजुर्ग को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का अहसास हुआ।बुधवार को बुजुर्ग की शिकायत के आधार पर खडकपाडा पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी ने बताया कि हम उन बैंक खातों की पहचान कर रहे हैं जिनमें पैसा ट्रांसफर किया गया है। साथ ही कॉल डेटा रिकॉर्ड्स और डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

सीईआईआर से 70 मोबाइल बरामद

भिवंडी जोन-2 पुलिस की कार्रवाई

15.68 लाख के फोन रिकवर

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी जोन-2 पुलिस ने गुम मोबाइल मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीईआईआर पोर्टल की मदद से 70 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी कुल अनुमानित कीमत 15 लाख 68 हजार 800 रुपए बताई गई है। इस कार्रवाई से पुलिस की सक्रियता और तकनीकी दक्षता सामने आई है।

तकनीकी निगरानी से सफलता

पुलिस के अनुसार, विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी के मामलों की जांच सीईआईआर पोर्टल के जरिए की गई। तकनीकी ट्रैकिंग और निगरानी से मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें बरामद किया गया। यह पोर्टल चोरी या गुम मोबाइल के दुरुपयोग को रोकने में भी सहायक है।

थानों में बरामदगी

कार्रवाई के तहत निजामपुरा थाना क्षेत्र से 17, भोईवाडा से 8, भिवंडी शहर से 18, शांतिनगर से 20 और नारपोली से 7 मोबाइल बरामद किए गए। इस प्रकार कुल 70 मोबाइल फोन रिकवर किए गए।

नागरिकों को राहत

मोबाइल वापस मिलने से लोगों में खुशी का माहौल है। पुलिस ने बताया कि इस पोर्टल के जरिए मोबाइल की लोकेशन ट्रैक करने के साथ जरूरत पड़ने पर उसे ब्लॉक भी किया जा सकता है, जिससे गलत इस्तेमाल रोका जा सके।

हिंदमाता एंकर: विपक्ष ने लाखों पेड़ों की कटाई पर जताई चिंता

मुंबई में 'पानी' पर महासंग्राम! बीएमसी ने गारगाई बांध को दी मंजूरी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी के गारगाई डैम परियोजना का प्रस्ताव स्थायी समिति में मंजूर होने के बाद गुरुवार को इस प्रस्ताव की उपसूचना पर सदन में चर्चा आयोजित की गई। इस दौरान सदन में सत्ताधारी भाजपा सदस्य और विपक्ष के शिवसेना यूबीटी व कांग्रेस के नगरसेवक आमने-सामने नजर आए। विपक्ष ने गारगाई परियोजना के प्रस्ताव पर फिर से विचार करने की मांग की, लेकिन सत्ताधारी पक्ष ने अपने संख्याबल के आधार पर इसे बहुमत से मंजूर कर दिया। इससे अब गारगाई बांध पानी परियोजना का रास्ता साफ हो गया है। गारगाई बांध परियोजना पर चर्चा के लिए यूबीटी के नगरसेवक यशोधर फणसे ने कहा कि इस परियोजना से कुल 440 एमएलडी पानी मिलने की उम्मीद है, लेकिन अभी केंद्र सरकार के दो विभागों की मंजूरी बाकी है, जिसे ठेकेदार को लाना होगा। इस परियोजना को पूरा होने में कम से कम 6 साल लगेंगे। 400 एमएलडी पानी सीवेज ट्रीटमेंट से मिल सकता है, तो पहले उस प्रस्ताव को मंजूर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में कई खामियां हैं और करीब 3 लाख 10 हजार पेड़ों की कटाई होगी, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा, इसलिए इस प्रस्ताव को फिलहाल दफ्तरी दाखिल करने की मांग की गई।

मुंबईकरों को रोजाना 4600 एमएलडी पानी की जरूरत

इस पर जवाब देते हुए सदन के नेता गणेश खणकर ने फणसे की उपसूचना का विरोध किया, उन्होंने कहा कि मुंबईकरों को रोजाना 4600 एमएलडी पानी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गारगाई परियोजना के लिए राज्य सरकार की अड़चने दूर हो चुकी है और केंद्र की मंजूरी भी जल्द मिल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना से मुंबई की पानी की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण कदम है। कांग्रेस नगरसेवक अशरफ आजमी ने कहा कि वर्ष 2023 में गारगाई डैम का प्रपोजल सामने रखा गया था और इसके लिए 3300 करोड़ का खर्च बताया गया था। इस डैम को बनाने से पहले प्रशासन ने कुछ शर्तें रखी थी जिसमें से 6 गांव को दूसरी जगह बसाना था, लेकिन अब तक पुनर्वसन नहीं किया गया है। ठेकेदार ने किसी भी प्रकार का काम शुरू नहीं किया और उसके पहले ही 2 हजार करोड़ रुपए की मांग कर रहा है। प्रोजेक्ट कब शुरू होगा कब खत्म होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

कहेगा कि 2 हजार करोड़ और दो

बीजेपी नगरसेवक प्रभाकर शिंदे के हाथ में किसी ने भाषण पकड़ा दिया और बोलने के लिए कह दिया। इसके पीछे मास्टरमाईंड कौन है? दो वर्ष बाद फिर ठेकेदार आयेगा और कहेगा कि 2 हजार करोड़ और दो। आजमी के भाषण के दौरान बीजेपी नगरसेवक आक्रामक हो गए और सभा में हंगामा करने लगे। इसके जवाब में प्रवीण छेड़ा ने कहा कि गारगाई डैम का प्रस्ताव शिवसेना ने ही वर्ष 2013 में लाया था और स्टैंडिंग कमिटी में पास भी किया था।

पेड़ों की कटाई-पुनर्वास के मुद्दे

यूबीटी की नगरसेविका विशाखा राऊत ने भी परियोजना का विरोध करते हुए पेड़ों की कटाई और पुनर्वास के मुद्दे उठाए, विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर ने भी कहा कि पहले समुद्री पानी को मीठा बनाने की परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिए। इस बीच, विपक्ष ने मतदान (पोल) की मांग की, जिसे महापौर रितु तावड़े ने खारिज कर दिया। अंत में हाथ उठाकर मतदान कराया गया, जिसमें सत्ताधारी पक्ष के अधिक सदस्य होने के कारण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

शॉर्ट स्टोरी

एआई से पार्किंसंस पहचान में नई उम्मीद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने पार्किंसंस रोग में 'फ्रीजिंग ऑफ गेट' (एफओजी) की शुरूआती पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रोजेक्ट शुरू किया है। यह पहल न्यूरोसर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. परेश दोशी के नेतृत्व में शुरू हुई है, जिसमें पेरिस ब्रेन इंस्टीट्यूट की विशेषज्ञ डॉ. कैरिन कराची भी शामिल होंगी। पार्किंसंस दुनिया की दूसरी सबसे आम न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है, जो भारत में तेजी से बढ़ रही है। 'फ्रीजिंग ऑफ गेट' इसकी गंभीर जटिलता है, जिसमें मरीज अचानक चलने में असमर्थ हो जाते हैं और गिरने का खतरा बढ़ जाता है। उन्नत अवस्था में यह समस्या 80% मरीजों को प्रभावित करती है। नया एआई सिस्टम मरीजों के चलने के पैटर्न के वीडियो का विश्लेषण कर शुरूआती संकेतों की पहचान करेगा। यह तकनीक बिना महंगे उपकरणों के अस्पतालों, क्लीनिकों और टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म पर आसानी से लागू की जा सकेगी। प्रोजेक्ट दो चरणों में चलेगा-पहले चरण में पुराने डेटा से मॉडल तैयार होगा, जबकि दूसरे चरण में 337 मरीजों पर इसका परीक्षण किया जाएगा। जसलोक के पास 25 वर्षों का क्लिनिकल और वीडियो डेटा इस शोध की बड़ी ताकत है। इस पहल का लक्ष्य एक सरल एआई ऐप विकसित करना है, जिससे डॉक्टर समय रहते जोखिम पहचानकर इलाज शुरू कर सकें। इससे गिरने की घटनाएं, विकलांगता और मरीजों पर बोझ कम होने की उम्मीद है।

भिवंडी में करियर गाइडेंस कार्यक्रम सफल

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

नेशनल 'मन राइट्स एंड 'मेनिटेरियन फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र और पीस हेल्पिंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एसएससी व एचएससी विद्यार्थियों के लिए 'हौसलों की उड़ान' करियर गाइडेंस प्रोग्राम 2026 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 5 अप्रैल को एस.आर. मैरिज ग्राउंड में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम का नेतृत्व चेयरमैन अब्दुल जब्बार शेख ने किया, जबकि सेक्रेटरी नवेद शेख की देखरेख में संचालन हुआ। मंच संचालन शफी आसिम पटेल ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत आयत नवेद शेख की कुरआन तिलावत से हुई। मुख्य वक्ता डॉ. साबिर जमाल सैयद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में करियर की जानकारी दी। वहीं करियर काउंसलर आमिर अंसारी ने 10वीं-12वीं के बाद उपलब्ध कोर्स व अवसरों पर प्रकाश डाला। साइबर अधिकारी मोहसिन सैयद ने साइबर सुरक्षा व पुलिस करियर पर जानकारी दी। कार्यक्रम में लगभग एक हजार विद्यार्थियों के साथ अभिभावक, शिक्षक व प्रिंसिपल उपस्थित रहे, जिनमें छात्राओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

मतदाता सूची में लापरवाही पर एफआईआर

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार शहर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जारी है। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी दी गई है। यह निर्णय मनपा में आयोजित समीक्षा बैठक में लिया गया। मंगलवार (8 अप्रैल) को महासभा हॉल में आयुक्त डॉ. मनीषा अव्हाले के मार्गदर्शन में बैठक हुई। अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण ने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी संतोषजनक कार्य नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार कल्याणी कदम ने शेष कार्य दो दिनों में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बीएलओ को हर घर जाकर सटीक जानकारी जुटाने, मतदाताओं की तस्वीरें सुधारने और एकल नाम प्रविष्टियों की जांच प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए गए। खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों पर आपराधिक मामला दर्ज करने के साथ सेवा पुस्तिका में भी नकारात्मक प्रविष्टि की जाएगी। सहायक आयुक्त अजय साबले ने इसे राष्ट्रीय कर्तव्य बताते हुए सभी से गंभीरता और सटीकता के साथ काम करने की अपील की।

वाढवण बंदर को 76,220 करोड़ मंजूर

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

वाढवण बंदर परियोजना को केंद्र सरकार से 76,220 करोड़ रुपए की मंजूरी मिल गई है। सागरमाला कार्यक्रम के तहत इसके विकास की जिम्मेदारी जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी को सौंपी गई है। यह परियोजना देश के लॉजिस्टिक सेक्टर को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। बंदर को एनएच-48 और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए एनएचएआई द्वारा विशेष पहल की जा रही है। इसके तहत एनएच-248एस पर 4 लेन (भविष्य में 8 लेन) नियंत्रित प्रवेश वाला आधुनिक महामार्ग बनाया जाएगा, जो तवा गांव से सीधे बंदर को जोड़ेगा। इससे यातायात दबाव कम होगा। परियोजना को पर्यावरण और सीआरजेड सहित आवश्यक मंजूरियां मिल चुकी हैं। वन भूमि के उपयोग के लिए भी स्वीकृति दी गई है, जिसके तहत वनरोपण व संरक्षण के लिए 146.22 करोड़ रुपए जमा किए जाएंगे। कुल 606.54 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण के लिए 1,916.23 करोड़ रुपए मुआवजा तय किया गया है। वहीं महामार्ग निर्माण का कार्य जे कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 2,360 करोड़ रुपए में सौंपा गया है, जिससे परियोजना को गति मिलने की उम्मीद है।

कोनगांव हादसे में लापरवाही का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

कोनगांव ग्रामपंचायत क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। आपात स्थिति के दौरान ग्रामपंचायत अधिकारी की कथित गैरमौजूदगी को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को एक दुकान पर पेड़ गिरने से बड़ा हादसा हुआ था। घटना में आर्थिक नुकसान हुआ, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। बताया गया कि मौके पर 13 कर्मचारी राहत कार्य में मौजूद थे, लेकिन ग्रामपंचायत अधिकारी मनीष महाजन अनुपस्थित थे। इस संबंध में विस्तार अधिकारी इंद्रजीत काले ने जिला परिषद ठाणे को रिपोर्ट सौंपी है। स्थानीय पत्रकार भगवानदास विश्वकर्मा ने आरोप लगाया है कि कई शिकायतों के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जिला परिषद ठाणे और अन्य अधिकारियों को लिखित शिकायत भी भेजी है। विश्वकर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के सामने आंदोलन या उपोषण करेंगे। मामले को लेकर प्रशासन एक बार फिर सवालों के घेरे में है।

बुजुर्ग महिला के घर चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

बोलींज पुलिस थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला के घर में घरफोड़ चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी का पूरा मुद्देमाल बरामद कर पुलिस ने मामले का पदार्फाश किया है। यह कार्रवाई बोलींज पुलिस थाना के गुन्हे प्रकटीकरण पथक (क्राइम डिटेक्शन टीम) ने की। पुलिस के अनुसार, 25 मार्च 2026 को ग्रीनफील्ड एस्टेट, चावरेवाड़ी-2, संतोषी माता मंदिर के पास, बोलींज विरार पूर्व स्थित एक घर में अज्ञात चोरों ने बाथरूम की लोहे की ग्रिल तोड़कर घर में प्रवेश किया और 74 वर्षीय महिला होलेन होवेल फर्नांडीस के घर से 10 ग्राम सोने के आभूषण और जॅग्वार कंपनी के नल समेत करीब 70 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया था। इस मामले में 26 मार्च 2026 को बोलींज पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 305 (अ) और 331 (3) के तहत मामला दर्ज किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बोलींज पुलिस की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी और गुप्त जानकारी के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने विरार पश्चिम बस डेपो परिसर से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सनी संतोष भोपा (22), बळीराम तुकाराम गमरे उर्फ बल्या (22) और अफजल अस्लम खान (23) बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली, जिसके बाद पुलिस ने उनके पास से 10 ग्राम सोने का सामान और जॅग्वार कंपनी के 9 नल सहित 100 प्रतिशत चोरी का मुद्देमाल बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे, पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे और सहायक पुलिस आयुक्त सुनील जायभाय के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावळे तथा क्राइम डिटेक्शन टीम के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से की।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

शहीद पुलिसकर्मियों के वारिसों को मिली सीधी नियुक्ति

जारी हुआ आदेश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

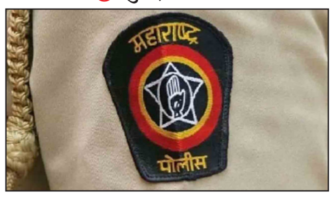

नक्सलवाद के खिलाफ जंग में अपनी जान की बाजी लगाने वाले वीर जवानों के परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए महाराष्ट्र सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सरकार ने उन पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवारों के लिए 'राहत पैकेज' के तहत सीधी सरकारी नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं, जिन्होंने नक्सल विरोधी अभियानों में वीरगति प्राप्त की थी।

इन परिवारों को मिला सम्मान

गृह विभाग द्वारा गुरुवार को जारी किए गए आधिकारिक आदेश के अनुसार, शहीद पुलिस उपनिरीक्षक संतोष महिपत घाग और शहीद पुलिस हवलदार हरिदास चिंतामण सयाम के वारिसों को अनुकंपा के आधार पर पुलिस उपनिरीक्षक (गट–ब, अराजपत्रित) के पद पर सीधी नियुक्ति प्रदान की गई है।

2009 के प्रावधान का मिला लाभ

यह नियुक्तियां वर्ष 2009 के शासन निर्णय के तहत की गई हैं। इस प्रावधान में स्पष्ट उल्लेख है कि नक्सल विरोधी अभियानों में शहीद होने वाले कर्मियों के वारिसों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर गट–अ और गट–ब संवर्ग में सीधे नियुक्त किया जा सकता है। इसी के तहत विराज संतोष घाग और विकास हरिदास सयाम की योग्यता को जांचने के बाद उन्हें यह विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गड़चिरोली में सेवा की अनिवार्य शर्त

हालांकि, इस गौरवपूर्ण नियुक्ति के साथ सरकार ने एक विशेष शर्त भी जोड़ी है। नवनियुक्त अधिकारियों को गड़चिरोली जैसे चुनौतीपूर्ण और विशेष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देनी होंगी। यह शर्त इसलिए रखी गई है ताकि वे उस क्षेत्र की जमीनी हकीकत को समझ सकें जहां उनके पिताओं ने सर्वोच्च बलिदान दिया था।

पुलिस बल में खुशी की लहर

महाराष्ट्र सरकार का यह कदम न केवल शहीद परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि पूरे पुलिस विभाग के मनोबल को बढ़ाने वाला है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, 'कठिन परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले जवानों के परिवारों की जिम्मेदारी उठाना राज्य का नैतिक कर्तव्य है। यह निर्णय शहीदों के बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस फैसले से यह संदेश गया है कि सरकार अपने वीर जवानों के परिवारों को कभी अकेला नहीं छोड़ती। शहीद परिवारों को न्याय मिलने की इस पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

मुंबई की पॉश सोसायटी में दहशत

• शिकार की तलाश में घूमता दिखा तेंदुआ, वन विभाग ने लगाया पिंजरा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

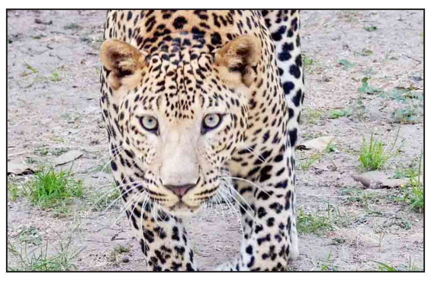

गोरेगांव पूर्व (दिंडोशी) स्थित रिहायशी और पॉश सोसायटी 'रहेजा हाइट्स' में इन दिनों खौफ का माहौल है। करोड़ों रुपए के आलीशान घरों में रहने वाले लोग एक तेंदुए की वजह से दहशत में हैं। बीते एक महीने के भीतर सोसायटी में तीसरी बार तेंदुए की एंट्री से हड़कंप मच गया है। मंगलवार तड़के करीब 3 बजे तेंदुआ सोसायटी के पार्किंग एरिया में शिकार की तलाश में बेखौफ घूमता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। जंगल से निकलकर रहेजा सोसायटी अब इस तेंदुए का नया अड्डा बनती दिख रही है। 7 अप्रैल की इस घटना से पहले 17 और 18 मार्च को भी यहां तेंदुए की मौजूदगी दर्ज की गई थी। सोसायटी के सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि कुत्तों के लगातार भौंकने पर उसे शक हुआ था। जब वह मौके पर पहुंचा, तो उसने तेंदुए को एक कुत्ते को मुंह में दबाकर ले जाते हुए देखा। गार्ड के शोर मचाने पर तेंदुआ शिकार छोड़कर भाग गया। अब तक तीन बार की एंट्री में तेंदुए ने एक स्ट्रीट डॉग का शिकार किया है और एक को बुरी तरह घायल कर दिया है।

सोसायटी ने उठाए सुरक्षा के सख्त कदम

लगातार हो रही तेंदुए की घुसपैठ को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने अपनी तरफ से सख्त एहतियाती कदम उठाए हैं: सोसायटी की बाउंड्री वॉल पर ऊंचे टीन के शेड लगा दिए गए हैं। तेंदुए को दूर रखने के लिए तेज आवाज वाले म्यूजिक स्पीकर और ज्यादा लाइट्स की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी की निगरानी और सिक्योरिटी गार्ड्स की गश्त बढ़ा दी गई है। पास के जिस पार्क को तेंदुए के आने–जाने का रास्ता माना जा रहा था, उसे फिलहाल बंद कर दिया गया है।

वन विभाग ने लगाया पिंजरा, जागरूकता अभियान शुरू

इस घटना के बाद वन विभाग भी अलर्ट मोड पर आ गया है। अधिकारियों ने पास के रहेजा पब्लिक पार्क में तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है। इसके साथ ही, वन अधिकारियों ने सोसायटी के लोगों के बीच एक जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें तेंदुए से बचने और रात के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

संजय गांधी नेशनल पार्क के करीब है इलाका

यह पूरा इलाका संजय गांधी नेशनल पार्क के बेहद करीब स्थित है, जिसके कारण यहां अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही का खतरा बना रहता है। सोसायटी में लगातार तेंदुए के दिखने से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। फिलहाल वन विभाग स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है और जल्द ही तेंदुए के सुरक्षित रेस्क्यू की उम्मीद जताई जा रही है।

पश्चिम रेलवे को मिला नया महाप्रबंधक

रामाश्रय पांडेय ने संभाली जीएम की कुर्सी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतीय रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण जोनों में से एक, पश्चिम रेलवे में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। भारतीय रेल इंजीनियर्स सेवा के 1990 बैच के अत्यंत अनुभवी और वरिष्ठ अधिकारी रामाश्रय पांडेय को पश्चिम रेलवे का नया महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। उन्होंने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया।

कई प्रमुख पदों पर रहे कार्यरत

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले रामाश्रय पांडेय पूर्व मध्य रेलवे पटना में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। अपने उत्कृष्ट कैरियर के दौरान जीएम पांडेय ने उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी मंडल में मंडल रेल प्रबंधक, तथा उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में मुख्य इंजीनियर के पद पर कार्य किया है। रामाश्रय पांडेय ने गोरखपुर एवं समस्तीपुर में उप मुख्य इंजीनियर, रेलवे बोर्ड में सदस्य इंजीनियरिंग के विशेष कार्याधिकारी, रेलवे बोर्ड में निदेशक सतर्कता तथा हाजीपुर में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। पांडेय रेल विकास निगम लिमिटेड में ग्रुप जनरल मैनेजर के रूप में भी कार्यरत रहे, जहां उन्होंने कई महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया। रामाश्रय पांडेय आईआईटी रुड़की से बी.टेक. तथा आईआईटी दिल्ली से एम.टेक. की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। रेल परिचालन तथा आधारभूत संरचना प्रबंधन के क्षेत्रों में इन्होंने व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

मध्य रेलवे की बंपर कमाई

8279 करोड़ रुपए का मिला राजस्व

नागपुर मंडल ने अकेले ढोया 54% माल

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

मध्य रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 79.34 मीट्रिक टन (मिलियन टन) माल ढुलाई दर्ज की, जिससे 8279 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इस दौरान मध्य रेलवे पर 30573 रेकों का उपयोग हुआ। मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ. स्वप्निल नीला के अनुसार लौह अयस्क की 1022 रेकों और पेट्रोलियम उत्पादों की 2672 रेकों की अब तक की सर्वश्रेष्ठ ढुलाई दर्ज की गई।

नागपुर मंडल का 54% योगदान

मध्य रेलवे पर कुल ढुलाई में नागपुर मंडल का महत्वपूर्ण योगदान 54% है। महाराष्ट्र के सभी 5 मंडलों में से नागपुर मंडल ने वित्त वर्ष 2025–26 में 42.72 मीट्रिक टन माल ढुलाई कर 4597 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की। 54% का महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो कुल राजस्व का 55% है। वस्तुओं में कोयले की ढुलाई 33.92 मीट्रिक टन के साथ शीर्ष पर है, जो कुल ढुलाई का 45% हिस्सा है और इससे 3219 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

अब तक की सर्वश्रेष्ठ लोडिंग

मध्य रेलवे ने लौह अयस्क, फ्लाई ऐश और पेट्रोलियम उत्पादों में अब तक की सर्वश्रेष्ठ माल ढुलाई दर्ज की है। लौह अयस्क की ढुलाई – वित्त वर्ष 2025 में 1022 रैक, जबकि पिछले वर्ष यह 369 रैक थी, यानी 177% की बढ़ोतरी हुई। वहीं वित्त वर्ष 2025–26 में फ्लाइ ऐश की ढुलाई 43 रैक हुई, जबकि पिछले वर्ष यह 24 रैक थी, यानी 79% की वृद्धि हुई। पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई – वित्त वर्ष 2025–26 में 2672 रैक, जबकि पिछले वर्ष यह 2357 रैक थी, यानी 13.4% की वृद्धि।

नई साइडिंग और माल एवं कार्गो टर्मिनलों का आरंभ

मध्य रेलवे ने कई व्यावसायिक विकास पहलों के माध्यम से माल ढुलाई प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए प्रयास किए हैं। इनमें वित्त वर्ष 2025–26 में मूसा में नया फ्यूलको जीसीटी (सड़क मार्ग से जाने वाले कोयले के डायवर्जन के लिए) मार्च 2026 तक 35 रेक लोड किए गए। मकरधोकडा में दिनेश ओसीएम जीसीटी – मार्च 2026 तक 504 रेक लोड किए गए। मुंगोली निगुर्डा ओसीएम में एमएनओजी का नया जीसीटी मार्च 2026 तक 54 रेक लोड किए गए। फरवरी 2026 में लोनावला में एमिरेट्स टर्मिनल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा खोला गया नया जीसीटी। इस्पात और लौह अयस्क के आवक और जावक यातायात के लिए बल्लारशाह (एनबीएचजी) में 31 जनवरी 2026 को नया माल टर्मिनल खोला गया। फरवरी 2026 तक 60 रेक लोड किए गए। मध्य रेलवे ने लंबी दूरी की ट्रेनों की संख्या में 100% से अधिक की वृद्धि की है, यानी वित्त वर्ष 2024–25 में 312 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 में 719 हो गई है। प्रतिदिन औसतन 359 मालगाड़ियों का आवागमन होता है।

'गद्दार' वाले बयान पर कुणाल कामरा की दो टूक

एकनाथ शिंदे से माफी मांगने से किया साफ इनकार, कहा- ये मेरा पेशा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया शो नहीं, बल्कि महाराष्ट्र विधानमंडल की विशेषाधिकार समिति के सामने उनकी पेशी है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी और उन्हें 'गद्दार' कहने के मामले में कामरा ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अपने बयान पर कायम हैं और किसी भी कीमत पर माफी नहीं मांगेंगे।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कॉमेडियन कुणाल कामरा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर आधारित एक व्यंग्यात्मक गीत सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस वीडियो में कामरा ने एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर बेहद अपमानजनक और उत्तेजक भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने इस वीडियो में 'गद्दार', 'दलबदलू' और 'फडणवीस की गोदी' जैसे शब्दों और वाक्यों का प्रयोग किया था। सत्ताधारी दल के विधायकों ने इसे उपमुख्यमंत्री के पद की गरिमा का अपमान और विधानमंडल के विशेषाधिकार का हनन बताते हुए कामरा के खिलाफ नोटिस जारी किया था।

समिति के सामने क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान जब समिति के सदस्यों ने कामरा से पूछा कि क्या उन्हें अपने किए पर पछतावा है या वे माफी मांगना चाहते हैं, तो कामरा ने बेहद बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे पर आधारित वह व्यंग्यात्मक गीत मेरी पेशेवर अभिव्यक्ति का हिस्सा था। एक कॉमेडियन के तौर पर व्यंग्य करना मेरा काम है। मुझे अपने कहे पर कोई खेद नहीं है और न ही मैंने कोई गलती की है। कुणाल कामरा अब तक दो बार समिति के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का उपयोग कर रहे थे। समिति ने अब उन्हें अपना पक्ष लिखित रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1बी के अंदर लगी आग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बड़ी खबर आ रही है। गुरुवार को छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1बी के अंदर आग लगने की खबर मिली है। सूचना मिलने पर मुंबई फायर ब्रिगेड से अतिरिक्त मदद बुलानी पड़ी। इसके अलावा एयरपोर्ट की टीम आग पर काबू पाने में जुट गई।

कहां लगी आग?

मुंबई फायर ब्रिगेड के चीफ फायर ऑफिसर रविंद्र अंबुलगेकर के मुताबिक, टर्मिनल के अंदर केबल ट्रे और स्विच बॉक्स में आग लगी थी। बताया जा रहा है कि आग टर्मिनल के ग्राउंड फ्लोर तक ही सीमित है। आग बुझाने के लिए मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस और वार्ड स्टाफ को लगाया गया है। इससे पहले 7 अप्रैल को मुंबई के माटुंगा इलाके में स्थित रेलवे वर्कशॉप में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। घटना माटुंगा रेलवे स्टेशन के पास स्थित सेंट्रल रेलवे के कोच मरम्मत वर्कशॉप में हुई, जहां रेलवे के डिब्बों की मरम्मत और मेंटेनेंस का काम किया जाता था। जानकारी के अनुसार, वर्कशॉप परिसर में खड़ी एक कोच में आग लगी, जिसके बाद देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं और धुआं दूर तक फैल गया।

मुंबई-बेंगलुरु एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

'पैन–पैन' कॉल के बाद पायलट ने उठाया कदम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में गुरुवार को हवा में ही इंजन से जुड़ी एक समस्या आ गई। इसके चलते पायलटों को 'पैन-पैन' कॉल करना पड़ा। यह घटना एयर इंडिया की फ्लाइट अक2812 से जुड़ी है। जिसे एक एयरबस अ320 निओ विमान ऑपरेट कर रहा था। सुबह 2:05 बजे उड़ान भरने का समय तय था, लेकिन विमान ने लगभग 2:15 बजे उड़ान भरी और कुछ ही देर बाद मुंबई लौट आया। लगभग 2:35 बजे विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया।

'पैन–पैन' कॉल का मतलब

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'पैन–पैन' कॉल एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आपातकालीन संकेत है। इसका इस्तेमाल विमानन और समुद्री संचार में किया जाता है। यह एक ऐसी गंभीर स्थिति का संकेत देता है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है, लेकिन यह मेडे जैसी आपात स्थिति जितनी गंभीर नहीं होती। पिछले महीने यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी की एक रिपोर्ट में एयर इंडिया में सुरक्षा से जुड़ी कई खामियों की ओर इशारा किया गया था। यह रिपोर्ट यूरोपीय हवाई अड्डों पर एयर इंडिया के विमानों के अचानक किए गए निरीक्षण के बाद सामने आई थी। इन नतीजों ने विमानों के बेड़े की विश्वसनीयता और इंजीनियरिंग मानकों को लेकर जारी चिंताओं को उजागर किया।

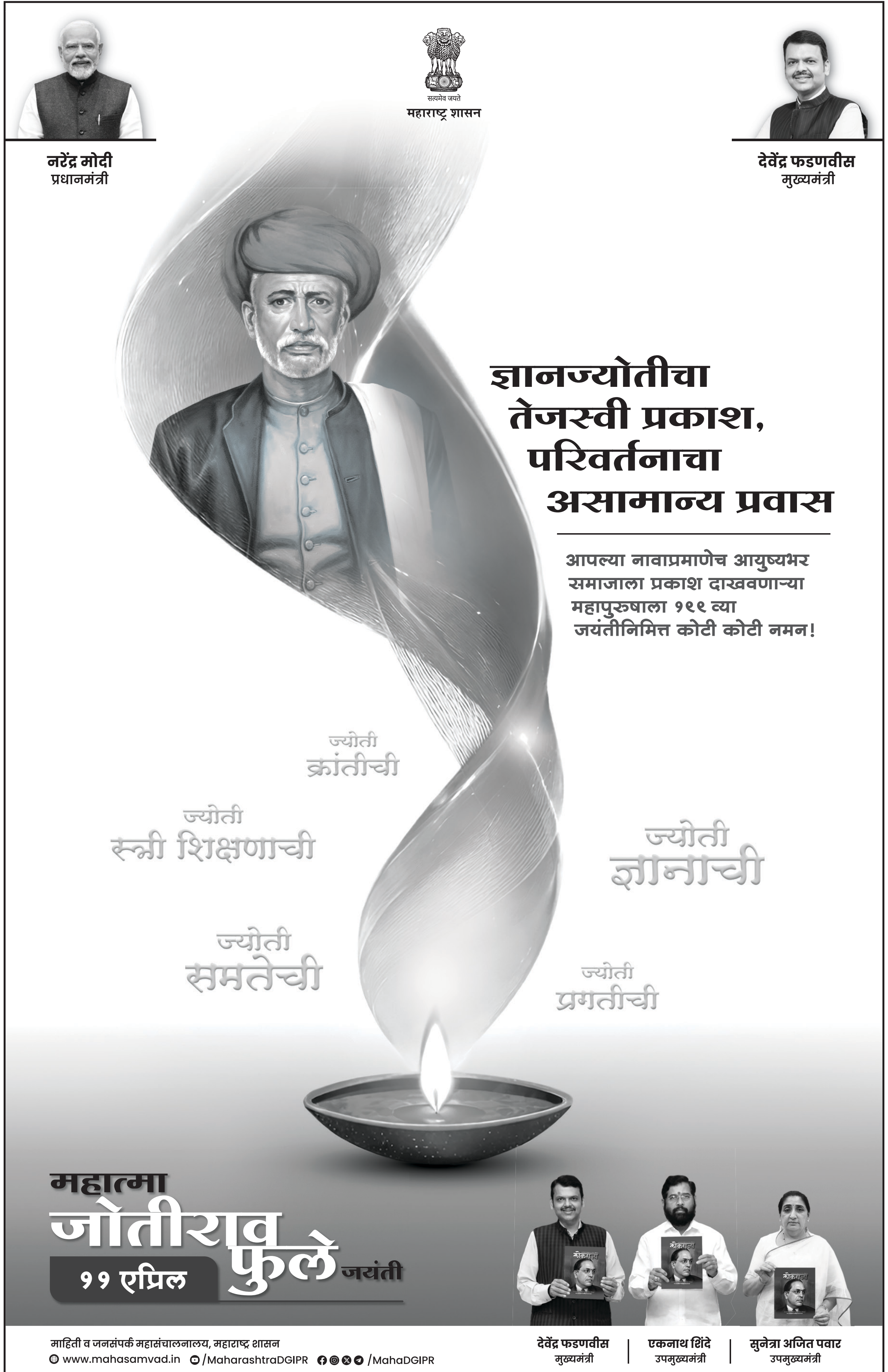

हिंदमाता एंकर: मुंबई में 20 मंजिला गहरी सुरंग का काम शुरू

भूकंप और समुद्री लहरें भी नहीं रोक पाएंगी बुलेट ट्रेन की रफ्तार!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर नए अपडेट्स सामने आ रहे हैं। 2027 में बुलेट ट्रेन का पहला चरण गुजरात में शुरू करना है,जबकि महाराष्ट्र के हिस्से में काम तेजी से चल रहा है। महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन का काम जमीन के नीचे, पानी में और जमीन के ऊपर एलिवेटेड भी किया जा रहा है।

भूकंपरोधी तकनीक और सीस्मोग्राफ का पहरा

बुलेट ट्रेन के लिए मुंबई के बीकेसी से ठाणे के शीलफाटा तक लगभग 21 किमी लंबी सुरंग बनाई जा रही है। इस भूकंपरोधी सुरंग में भारत की पहली 7 किमी लंबी समुद्र के नीचे की सुरंग भी शामिल है, जो ठाणे क्रीक के नीचे से गुजरती है। बताया गया कि 21 किमी में से एनएटीएम (न्यू आस्ट्रियन मेथड) तरीकों का उपयोग कर 5 किमी सुरंग पहले ही पूरी हो चुकी है। अब बाकी 16 किमी सुरंग टनल बोरिंग मशीनों की मदद से बनाई जाएगी।

सिंगल ट्यूब टनल

मुंबई के विक्रोली में इस टनल बोरिंग मशीन की असेंबलिंग का काम शुरू कर दिया गया है। यह सुरंग 13.1 मीटर व्यास वाली एक सिंगल–ट्यूब सुरंग होगी, जिसमें दो ट्रैक बनाए जाएंगे। यह सुरंग जमीन के स्तर से लगभग 25 से 57 मीटर गहरी होगी, और इसका सबसे गहरा निर्माण बिंदु पारसिक पहाड़ी से 114 मीटर नीचे होगा। इस प्रक्रिया की शुरूआत मुख्य शील्ड के छह हिस्सों में से एक को नीचे उतारने से की गई, जिसका वजन लगभग 170 मीट्रिक टन था। इस हिस्से की लंबाई लगभग 8.66 मीटर और चौड़ाई लगभग 7 मीटर है। मुंबई के विक्रोली में जमीन के स्तर से 56 मीटर की गहराई पर नीचे उतारा गया,जो कि 20 मंज़िला इमारत की ऊंचाई के बराबर है।

दो टीबीएम मशीनों का उपयोग

बताया गया कि दो टीबीएम आ चुकी हैं। इनका संपूर्ण परीक्षण और कमीशनिंग के बाद सुरंग निर्माण कार्य शुरू होगा। टीबीएम को नीचे उतारने के लिए, तीन (3) शाफ़्ट बनाए गए हैं। शाफ़्ट 1: बीकेसी में रिट्रीवल शाफ़्ट, शाफ़्ट 2 विक्रोली में और शाफ़्ट 3 सावली में जो घनसोली के पास होगा। टीबीएम 1 विक्रोली में शाफ्ट 2 से शुरू होगा और बीकेसी में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के शाफ्ट 1 की ओर बढ़ेगा जबकि टीबीएम 2 सावली में शाफ्ट 3 से शुरू होगा और विक्रोली की ओर बढ़ेगा।

दुनिया की सबसे आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल

इस प्रोजेक्ट के लिए दो अत्याधुनिक टीबीएम मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। दो टनल बोरिंग मशीनें (टीबीएम), जिनका वजन क्रमशः 3080 टन और 3184 टन है। ये उन्नत टीबीएम मिक्स शील्ड / स्लरी तकनीक पर आधारित हैं। विशेष रूप से जटिल भूवैज्ञानिक परिस्थितियों में संचालन के लिए डिजाइन की गई हैं। टीबीएम की कुल लंबाई 95.32 मीटर है और इसमें कई जरूरी हिस्से शामिल हैं, जैसे कटर व्हील, मेन बेयरिंग, जॉ क्रशर, इरेक्टर, मेन शील्ड, टेल शील्ड, और चार खास गैंट्री जो टनल बनाने के काम में मदद करती हैं। ये मशीनें अधिकतम खुदाई दर 49 मि.मी. प्रति मिनट तक, जो उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए करती हैं। बताया गया कि मुख्य रूप से टनलिंग के टीबीएम की शुरूआत जुलाई से हो जाएगी और अक्टूबर 2026 तक सुरंग आकार लेने लगेगी।

कास्टिंग यार्ड स्थापित

16 किलोमीटर लंबे टीबीएम हिस्से के लिए टनल लाइनिंग की कास्टिंग हेतु, 11.17 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला एक कास्टिंग यार्ड ठाणे जिले के महापे में स्थापित किया गया है। 7,700 रिंग बनाने के लिए 77,000 सेगमेंट ढाले जाएँगे। टनल की लाइनिंग के लिए खास रिंग सेगमेंट ढाले जा रहे हैं। हर रिंग में नौ घुमावदार सेगमेंट और एक 'की सेगमेंट' होगा, जिसमें हर सेगमेंट 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर (500 मिमी) मोटा होगा। यह कास्टिंग यार्ड कास्टिंग कार्यों को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेनों, गैंट्रियों और मशीनों से सुसज्जित है।

सीस्मोग्राफ का उपयोग

सुरंग और आस–पास के क्षेत्र में मौजूद सभी ढांचों की सुरक्षा देखते हुए सुरक्षित खुदाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न निगरानी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (एसएसपी), ऑप्टिकल डिस्प्लेसमेंट सेंसर्स या टिल्ट मीटर्स, बीआरटी (बाय रिफ्लेक्ट टारगेट/3डी टारगेट), सुरंग की सतह पर सूक्ष्म तनाव मापने के लिए स्ट्रेन गेज, और पीक पार्टिकल वेलोसिटी (पीपीवी) या कंपन और भूकंपीय तरंगों की निगरानी के लिए सीस्मोग्राफ का उपयोग शामिल हैं। बुलेट ट्रेन के रूट पर बीकेसी में एकमात्र भूमिगत स्टेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। यह जमीन के नीचे मुंबई ही नहीं देश का सबसे बड़ा ग्रीन स्टेशन होगा। बुलेट ट्रेन 508.17 किमी की दूरी में 384.04 किमी हिस्सा गुजरात में और 155.76 किमी हिस्सा महाराष्ट्र में होगा। वहीं 4.3 किमी हिस्सा दादरा नगर हवेली में भी है। बुलेट ट्रेन के रूट पर 12 स्टेशन होंगे, जिनमें से 8 गुजरात में, 4 स्टेशन महाराष्ट्र में बनने हैं। जबकि दादरा हवेली में कोई स्टेशन नहीं होगा।

विचार प्रवाह

आत्मबल, सामर्थ्य देता है, और सामर्थ्य, विद्या प्रदान करती है। विद्या, स्थिरता प्रदान करती है, और स्थिरता, विजय की तरफ ले जाती है।

– छत्रपति शिवाजी महाराज

संपादकीय

आक्रामकता पर अंकुश लगाने की पहल हो

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपए के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। यह गंभीर मुद्दा है जिसके समाधान को केंद्र सरकार को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, इंटरनेट के तेजी से प्रसार और सोशल मीडिया में अपराधों से जुड़ी घातक सामग्री की उपलब्धता किशोरों में भटकाव को बढ़ावा दे रही है। हिंसक फिल्में और अन्य माध्यमों में अपराध के तौर-तरीके से जुड़ी सामग्री किशोर मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। देश में संयुक्त परिवारों के बिखराव व बच्चों पर मां-बाप का नियंत्रण कम होने से कई किशोर बुरी संगति के चलते अपराधजगत की फिसलन में उतर जाते हैं। दूसरी ओर स्कूल-कालेजों में शिक्षकों की वह भूमिका नहीं रही, जो सख्ती से किशोरों के व्यवहार को नियंत्रित कर सके। आज उनकी सोच को मोबाइल व सोशल मीडिया पर प्रसारित विकृत सूचनाएं प्रभावित कर रही हैं। समाज के व्यवहार में एक किस्म की आक्रामकता नजर आती है। वहीं दूसरी ओर आपराधिक गिरोह व गैंग भी अपने आपराधिक कृत्यों को अंजाम देने कि लिए किशोरों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल यह भी है कि किशोरों तक घातक हथियार कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नशे की दलदल में फंसने वाले किशोर भी कालांतर नशा खरीदने के लिये पैसे जुटाने के लिये अपराध की गली में उतर जाते हैं। फिर गंभीर अपराधों को अंजाम देने लगते हैं। निश्चित रूप से बदलते वक्त के साथ पुलिस की भूमिका व कार्यशैली में बदलाव लाने की जरूरत है। साथ ही समाज में भी जागरूकता लानी आवश्यक है ताकि किशोरों को अपराध की राह पर बढ़ने से रोका जा सके। सरकार और समाज के साझे प्रयासों से ही इस संकट से उबरने में मदद मिल सकती है।

आज का इतिहास

- 1999 - फिलीपींस की सरकार द्वारा 'एक स्कूल गोद लो' की अनोखी घोषणा।
- 2002 - चीन में मैच (फुटबाल) फिक्सिंग के आरोप में रेफरी गिरफ़्तार।
- 2003 - पाकिस्तान ने 12वीं बार शारजाह कप जीता।
- 2004 - इस्लामाबाद में भारत के प्रख्यात गायक कलाकार सोनू निगम के कार्यक्रम स्थल के पास एक कार में बम विस्फोट।
- 2008-सरकारी कर्मचारियों द्वारा विरोध को देखते हुए केंद्र सरकार ने छठे वेतन आयोग की समीक्षा के लिए सचिवों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की।
स्वीडन में वैज्ञानिकों ने आठ हजार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।
- 1827 - ज्योतिबा फुले- भारत के महान विचारक, समाज सेवी तथा क्रान्तिकारी।
- 1869 - कस्तूरबा गांधी - महात्मा गांधी जी की पत्नी।
- 1887 - जामिनी रॉय - भारत के प्रसिद्ध चित्रकार।
- 1904 - कुन्दन लाल सहगल भारतीय गायक और अभिनेता
- 1916 - आर. डी. भण्डारे - भारतीय राजनीतिज्ञ, न्यायविद और आंबेडकरवादी कार्यकर्ता थे।
- 1937 - रामानाथन कृष्णन - भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से है।
- 1938 - सोमदत्त बट्टू - हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक हैं जो पटियाला घराने से हैं। वह 'हिमाचल गौरव' के नागरिक सम्मान के विजेता हैं।
- 1946 - नवीन निश्चल - भारतीय फिल्म अभिनेता थे।
- 1983 - अनूप श्रीधर - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।
- 1977 - फणीश्वरनाथ रेणु, साहित्यकार
- 2009 - हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, नाटककार और कहानीकार विष्णु प्रभाकर का निधन।
- 2010 - कैलाश चंद्र दाश, वैज्ञानिक और भुवनेश्वर के उत्कल विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर।
- 2001 - कमल रणदिवे - प्रसिद्ध भारतीय महिला चिकित्सक थीं।

संसदीय कामकाज की बदलती संस्कृति

लोकसभा में सुधार, तकनीकी नवाचार और संसदीय परंपराओं के सुदृढ़ीकरण की नई दिशा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत का लोकतंत्र बहुलतावाद पर आधारित राष्ट्रीयता की उस उदात्त कल्पना पर प्रतिष्ठित है, जिसमें विविधता को शक्ति माना गया है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाएं हैं। संसद इन संस्थाओं का सर्वोच्च मंच है। इस सदन में व्यक्त होने वाली हर आवाज देश के करोड़ों नागरिकों की आशाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय संसदीय लोकतंत्र में सर्वोच्च गरिमापूर्ण, निष्पक्ष और शक्तिसंपन्न संवैधानिक पद है। संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत निर्वाचित लोकसभा के अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही के सुचारु संचालन, नियमों के पालन, सांसदों के अनुशासन, विशेषाधिकारों की रक्षा और सदन की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं।

ओम बिरला का सर्वसम्मत निर्वाचन और प्रभावी नेतृत्व

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को 19 जून, 2019 को 17वीं लोकसभा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस निर्वाचन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ-साथ प्रमुख विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया। यह व्यापक सहमति इस विश्वास का प्रमाण थी कि वे सदन को संतुलित, प्रभावी और अनुशासित रीति से संचालित करने की क्षमता रखते हैं। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जो सुधारात्मक प्रयास और संस्थागत नवाचार किए, उनसे न केवल लोकसभा की कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया, अपितु सदन की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

संसदीय कार्यसंस्कृति में सुधार और प्रशिक्षण पहल

ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित कर दशकों से चली आ रही परिपाटी को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक एवं अपेक्षित हैं, किंतु वे मनभेद में परिवर्तित नहीं होने चाहिए। वैचारिक विविधता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। तथापि, मतभेदों की अभिव्यक्ति नियमों और संसदीय प्रक्रियाओं के दायरे में ही सार्थक होती है। ओम बिरला ने जिस संयम के साथ विभिन्न परिस्थितियों का सामना किया, वह न केवल सराहनीय है, अपितु विधानसभाओं के लिए भी एक आदर्श उदाहरण है। उनके कार्यकाल का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू संसदीय प्रणाली के संस्थागत सुदृढ़ीकरण से संबंधित है। इसी दिशा में नवनिर्वाचित सांसदों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) एक सुव्यवस्थित और प्रभावी प्रशिक्षण सत्र के रूप में स्थापित किया गया, जो उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, नियमों, विधायी कार्य तथा उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से सुपरिचित कराता है। इससे न केवल सांसदों की सदन में भागीदारी अधिक प्रभावी हुई, बल्कि बहसों की गुणवत्ता में भी ठोस सुधार परिलक्षित हुआ।

संसदीय समितियों और प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका

संसदीय समिति प्रणाली विधायी प्रक्रिया की दक्षता, जवाबदेही और समावेशिता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोकसभा के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान 'प्राइड' (पार्लियामेंटरी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फार डेमोक्रेसीज) के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं तथा संसद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में डिजिटाइजेशन, तकनीकी एकीकरण, संसदीय समितियों की कार्यप्रणाली एवं समन्वय, अनुसंधान सहायता और विभाग-संबंधित स्थायी समितियों में विधेयकों के अनिवार्य संदर्भ जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

डिजिटल संसद और तकनीकी आधुनिकीकरण

ओम बिरला के नेतृत्व में लोकसभा को 'पेपरलेस' बनाने और तकनीकी आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 'डिजिटल संसद' प्लेटफार्म की स्थापना, सांसदों के लिए डिजिटल उपस्थिति प्रणाली जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं इसी व्यापक परिवर्तन का अंग हैं। मंत्रियों द्वारा सदन में दिए गए आश्वासनों की निगरानी के लिए 'आनलाइन एश्योरेंस मानिटरिंग सिस्टम' को सशक्त किया गया, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों की जवाबदेही और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी क्रम में 'नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन' कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर लागू किया गया। वर्तमान में 21 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की विधानमंडल इस प्लेटफार्म के माध्यम से अपना विधायी कामकाज डिजिटल माध्यम से संचालित कर रही हैं।

विधानसभाओं में डिजिटल नवाचार और एआई का उपयोग

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में मेरा अनुभव है कि इस नवाचार से विधानसभाओं की डिजिटल कार्यप्रणाली को अत्यंत प्रोत्साहन मिला है। संसदीय कार्यवाही के आधुनिकीकरण तथा पारदर्शिता, सुगमता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लोकसभा सचिवालय और इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से विकसित स्वदेशी एआइ टूल 'संसद भाषिणी' का उपयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत की भाषायी विविधता को ध्यान में रखते हुए इसके माध्यम से संसदीय दस्तावेजों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

आंखनदेखी

अमृतसर, भारतः सिख श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर स्थित पवित्र सरोवर में आस्था की डुबकी लगाते हुए नजर आ रहे हैं। अवसर है सिख धर्म के पांचवें गुरु, गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व का, जिसे पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है।

इंफ्लुएंसर हत्याकांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

• विदेश से डिपोर्ट कर दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया आरोपी, संयुक्त ऑपरेशन की सफलता

हिंदमाता नेटवर्क @ पंजाब

पंजाब के चर्चित सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कंचन कुमारी हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस सनसनीखेज मामले के मुख्य आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरोन को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। वह लंबे समय से फरार था और देश छोड़कर मिडिल ईस्ट भाग गया था। शुक्रवार तड़के उसे भारत लाया गया, जहां दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मेहरोन को विदेश से डिपोर्ट कर भारत लाया गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पहले से ही पुलिस टीम एयरपोर्ट पर तैनात थी। यह पूरा ऑपरेशन पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग और केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से अंजाम दिया गया, जिसे एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

आरोपी का प्रोफाइल

जानकारी के अनुसार, अमृतपाल सिंह मेहरोन मोगा का निवासी है और खुद को कट्टर सिख नेता के रूप में पेश करता था। कंचन कुमारी की हत्या के बाद वह जून 2025 में ही देश छोड़कर फरार हो गया था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

एक्स फाइल

मृतका की पहचान

■ कंचन कुमारी सोशल मीडिया पर 'कमल कौर भाभी' के नाम से जानी जाती थीं। उनकी लाश बठिंडा में एक पार्किंग में खड़ी कार से बरामद हुई थी। इस घटना के सामने आते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी और पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी थी।

पहले हो चुकी हैं गिरफ्तारियां

■ इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें मोगा का जसप्रीत सिंह और तरनतारन का निमरतजीत सिंह शामिल हैं। पूछताछ के दौरान दोनों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि कंचन कुमारी के सोशल मीडिया कंटेंट को वे अश्लील मानते थे और इसे समुदाय की भावनाओं के खिलाफ बताया था।

सुनियोजित साजिश का खुलासा

■ पुलिस जांच में सामने आया है कि 11 जून 2025 को अमृतपाल मेहरोन और उसके साथियों ने मिलकर कंचन कुमारी का अपहरण किया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई और शव को बठिंडा के आदेश अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कार में छोड़ दिया गया। यह पूरी वारदात बेहद सुनियोजित और निर्मम तरीके से अंजाम दी गई थी।

विदेश भागकर बचने की कोशिश

■ हत्या के बाद मेहरोन खुद को बचाने के लिए मिडिल ईस्ट भाग गया था। उसने वहां छिपकर रहने की कोशिश की, लेकिन पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से उसका लोकेशन ट्रेस कर लिया। इसके बाद प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की गई और अंततः उसे गिरफ्तार कर भारत लाया गया।

वीडियो से बढ़ा विवाद

■ सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें मेहरोन कथित तौर पर इस हत्या को सही ठहराता नजर आया। उसने कंचन कुमारी की हत्या को उनके कंटेंट से जोड़ते हुए अन्य सोशल मीडिया क्रिएटर्स को भी चेतावनी दी थी। इस वीडियो ने मामले को और अधिक गंभीर बना दिया।

धमकियों का नेटवर्क जांच में

■ पुलिस के अनुसार, मेहरोन ने पंजाब की कम से कम दो अन्य महिला सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी धमकियां दी थीं। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क और उसके संपर्कों की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं।

जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर

■ पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संगठित अपराध और कानून को चुनौती देने वालों के खिलाफ उनकी 'जीरो टॉलरेंस' नीति जारी रहेगी। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि समाज में कानून व्यवस्था बनी रहे।

प्रेरक प्रसंग

पानी का मूल्य

रामू एक शरारती लेकिन लापरवाह लड़का था, जिसे पानी की अहमियत का बिल्कुल भी एहसास नहीं था। वह अपने घर में पानी की जमकर बर्बादी करता था। कभी वह अपनी साइकिल को घंटों तक धोता रहता, तो कभी नहाते समय नल खुला छोड़ देता। उसके माता-पिता उसे बार-बार समझाते कि पानी एक अनमोल प्राकृतिक संसाधन है और हमें इसे संभालकर उपयोग करना चाहिए। लेकिन रामू उनकी बातों को हमेशा नजरअंदाज कर देता और अपनी आदतें नहीं बदलता। एक दिन दोपहर के समय रामू ने अपने दादा जी से कहानी सुनाने की जिद की। दादा जी मुस्कुराए और उसे पास बैठाकर एक सीख देने वाली कहानी सुनाने लगे। उन्होंने कहा, 'बेटा, पानी हमारे जीवन का सबसे जरूरी हिस्सा है। इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन समय के साथ पानी के स्रोत कम होते जा रहे हैं। दादा जी ने आगे समझाते हुए कहा, 'हमारे जमाने में लोग पानी को नदियों और तालाबों में आसानी से देख लेते थे। फिर समय बदला और लोगों ने कुओं का सहारा लिया। तुम्हारे पिताजी के समय में हैंडपंप से पानी निकाला जाता था। लेकिन आज तुम पानी को पाइप और टंकी के जरिए अपने घर तक आते हुए देखते हो। यह बदलाव हमें सोचने पर मजबूर करता है कि अगर हम पानी की इसी तरह बर्बादी करते रहे, तो आने वाली पीढ़ियां पानी को कहां देखेंगी। रामू अपने दादा जी की बातें ध्यान से सुन रहा था। पहली बार उसे एहसास हुआ कि पानी की बर्बादी करना कितना गलत है। उसने सोचा कि अगर उसने अभी से पानी बचाना शुरू नहीं किया, तो भविष्य में उसे और उसके बच्चों को पानी के लिए बहुत परेशानी उठानी पड़ सकती है।

■ उस दिन के बाद रामू ने अपनी आदतों में बदलाव लाने का फैसला किया। अब वह साइकिल धोते समय बाल्टी का उपयोग करने लगा और नहाते समय भी पानी का ध्यान रखने लगा। उसने अपने दोस्तों को भी पानी बचाने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे रामू एक जिम्मेदार बच्चा बन गया, जिसे पानी के मूल्य का सही ज्ञान हो गया था। सीखः जल ही जीवन है, इसलिए हमें पानी की हर बूंद को बचाने का प्रयास करना चाहिए।

राशिफल

मेष– निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

वृषभ– कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन– व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कर्क– कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह– कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कन्या– धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला–जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक– आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

धनु– भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा।

मकर– आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ– पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है।

मीन–आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

20 साल और विपक्ष में बैठना मंजूर...

आपको नहीं पता ममता की क्षमताः अमित शाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने वालों के साथ रहने या किसी तरह का समझौता करने के बजाय उनकी पार्टी 20 साल तक और विपक्ष में बैठना पसंद करेगी। उन्होंने कहा कि जो लोग बंगाल में बाबरी मस्जिद बना रहे हैं, उनके साथ बैठने के बजाय और 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे। पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी करने के बाद उन्होंने यह बात निलंबित TMC विधायक हुमायूँ कबीर से जुड़े एक 'स्टिंग ऑपरेशन' पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। हुमायूं कबीर पिछले साल बंगाल में बाबरी जैसी मस्जिद की आधारशिला रखने की वजह से चर्चा में आए थे। हुमायूं कबीर की पहल पर पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर वैसी ही मस्जिद बनाने का ऐलान किया था और बाद में उसकी आधारशिला रखी थी। इधर, हाल ही में पश्चिम बंगाल चुनावों से कुछ ही हफ़्ते पहले, एक 'स्टिंग' वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर हुमायूं कबीर को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह BJP के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में थे और उन्होंने तृणमूल को हराने के लिए 1,000 करोड़ रुपए की डील की थी। लाइव हिन्दुस्तान इस तरह के किसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

आपको नहीं पता ममता की क्षमता

बहरहाल, एक तरफ जहां राज्य की सत्ताधारी TMC ने स्टिंग में किए गए दावों को लेकर कबीर और BJP दोनों की आलोचना की है, वहीं दोनों पक्षों ने आरोप लगाया कि यह राजनीतिक फायदे के लिए फैलाया जा रहा एक फर्जी वीडियो है। इसी कड़ी में शाह ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा और दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ऐसे 2,000 वीडियो बना सकती हैं। शाह ने कहा कि आपलोग ममता दीदी की क्षमताओं से अनजान हो। ममता दीदी ऐसे 2000 वीडियो बना सकती हैं। हुमायूं कबीर और भारतीय जनता पार्टी साउथ पोल और नॉर्थ पोल हैं, कभी हमारा मेल नहीं हो सकता। हम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने वाले के साथ बैठने के बजाय और 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे।

100 करोड़ रुपए के भी हकदार नहीं

शाह से पहले बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने हुमायूं कबीर का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि वह 100 करोड़ रुपये के भी हकदार नहीं हैं, 1,000 करोड़ रुपए की बात तो छोड़ ही दीजिए। दूसरी तरफ, आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख कबीर ने दावा किया कि यह वीडियो उन्हें बदनाम करने के लिए अकका इस्तेमाल करके बनाया गया था। उन्होंने यह भी धमकी दी है कि अगर तृणमूल कांग्रेस कोई सबूत पेश नहीं कर पाई, तो वह उसके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। कबीर ने कहा कि यह तृणमूल की तरफ से मुझे बदनाम करने की एक कोशिश है, क्योंकि उन्हें मुस्लिम वोट खोने का डर है। उन्होंने ऐसा नकली वीडियो जारी करके समुदाय का अपमान किया है, जिसमें अकके जरिए कुछ बयान डालकर मुसलमानों की भावनाओं का मजाक उड़ाया गया है।

चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन उन पर नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है।

■ रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने असम के एनआरसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी 19 लाख नाम लिस्ट से बाहर किए गए थे, जिनमें 13 लाख हिंदू और 6 लाख मुस्लिम थे। ममता बनर्जी ने लोगों को आगाह किया कि वे भाजपा पर कभी विश्वास न करें। असम की 126 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था।

लद्दाख का 'शेर' हुआ खामोश

कारगिल के वीर नायक कर्नल सोनम वांगचुक नहीं रहे

हिंदमाता नेटवर्क @ लेह

कारगिल युद्ध के वीर योद्धा कर्नल सोनम वांगचुक का शुक्रवार सुबह लेह में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे लद्दाख क्षेत्र सहित देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। वे महावीर चक्र से सम्मानित एक बहादुर सैन्य अधिकारी थे, जिन्होंने अपनी वीरता और नेतृत्व से इतिहास रचा।

कारगिल युद्ध में दिखाई अदम्य वीरता

कर्नल वांगचुक ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान लद्दाख स्काउट्स में मेजर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 18,000 फीट की ऊंचाई पर बतालिक सेक्टर के चोरबत ला क्षेत्र में एक साहसिक अभियान का नेतृत्व करते हुए दुश्मन से एक महत्वपूर्ण चोटी को दोबारा हासिल किया। यह ऑपरेशन विजय की शुरूआती और निर्णायक सफलताओं में गिना जाता है।

राष्ट्र सेवा के लिए मिला महावीर चक्र

उनकी बहादुरी और नेतृत्व के लिए उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च वीरता पुरस्कार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। कर्नल वांगचुक को भारतीय सेना के एक प्रेरणादायक और समर्पित अधिकारी के रूप में जाना जाता था।

नेताओं ने जताया गहरा शोक

लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका साहस और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा और पूर्व सांसद जम्यांग त्सेरिंग नामग्याल ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी वीरता को अविस्मरणीय बताया।

लद्दाख में श्रद्धांजलि और सम्मान

डॉ. मोहम्मद जाफर अखून और ताशी ग्यालसन सहित कई नेताओं और संगठनों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया। ताशी ग्यालसन ने उन्हें 'लद्दाख का असली शेर' बताते हुए कहा कि उनका साहस हमेशा याद रखा जाएगा।

देश के लिए अपूरणीय क्षति

कर्नल सोनम वांगचुक का निधन न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे लद्दाख और देश के लिए एक बड़ी क्षति है। उनका जीवन साहस, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक रहा है।

लेबनान में इजराइली हमलों पर भारत ने जताई चिंता

विदेश मंत्रालय बोला- पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर हमारी नजर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत ने लेबनान में बढ़ रही नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता जताई है। इजरायल के लगातार हवाई हमलों के बीच भारत ने साफ कहा है कि आम लोगों की सुरक्षा सबसे अहम है और वह हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि लेबनान में बड़ी संख्या में नागरिकों के मारे जाने की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से क्षेत्र में शांति और स्थिरता का समर्थन करता रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि लेबनान में करीब 1000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनकी सुरक्षा पर भी नजर रखी जा रही है। भारत संयुक्त राष्ट्र के मिशन यूएनआईफिल का हिस्सा है, जो लेबनान में शांति बनाए रखने के लिए काम करता है। जायसवाल ने कहा कि मौजूदा हालात बेहद परेशान करने वाले हैं और स्थिति को लेकर भारत गंभीर है।

पश्चिम एशिया पर भारत की नजर

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रहा है। भारत खाड़ी देशों के साथ संपर्क में है और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठा रहा है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर कई मंत्री खाड़ी देशों का दौरा कर रहे हैं। विदेश मंत्री इस समय मॉरीशस में हैं और 11-12 अप्रैल को यूएई जाएंगे, जहां दोनों देशों के संबंध मजबूत करने पर चर्चा होगी। भारत अपने पड़ोसी देशों की ऊर्जा जरूरतों को भी पूरा करने में मदद कर रहा है। हाल ही में श्रीलंका को 38 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पाद भेजे गए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा पर फोकस

सरकार मॉरीशस के साथ तेल और गैस आपूर्ति को लेकर समझौते को अंतिम रूप दे रही है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा और मजबूत होगी। वहीं पेट्रोलियम मंत्री 9-10 अप्रैल को कतर के दौरे पर हैं। कतर भारत के लिए ऊर्जा का एक अहम आपूर्तिकर्ता है और दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर बातचीत हो रही है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने भी भरोसा दिलाया है कि वह भारत को ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा और दोनों देशों के संबंध आगे भी मजबूत होंगे।

अमेरिकी दौरे पर जाएंगे लेबनान के पीएम

इजरायल के सीधे बातचीत के जोर देने के बाद लेबनान के PM वॉशिंगटन DC का दौरा करेंगे। यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते तक चलने वाले सीजफायर की पृष्ठभूमि में सामने आया है। यह सीजफायर अभी तो लागू है, लेकिन इस पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। एक बड़ी अड़चन यह है कि क्या लेबनान में जारी हिंसा इस सीजफायर की शर्तों के दायरे में आती है या नहीं?

गगनयान की बड़ी कामयाबी

ISRO ने किया 'एयर ड्रॉप टेस्ट', अब अंतरिक्ष से सुरक्षित लौटेंगे हमारे एस्ट्रोनॉट्स

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' को लेकर एक बड़ी खबर आई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 'इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट-02' (IADT-02) को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि जब हमारे अंतरिक्ष यात्री स्पेस से वापस लौटेंगे, तो उनका यान सुरक्षित तरीके से धरती पर लैंड कर सकेगा।

क्या है यह टेस्ट और क्यों है जरूरी?

जब अंतरिक्ष यान (Crew Module) वापस पृथ्वी के वायुमंडल में आता है, तो उसकी रफ्तार बहुत तेज होती है। यात्रियों की जान बचाने के लिए उस रफ्तार को कम करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इसी काम के लिए 'पैराशूट सिस्टम' बनाया गया है। इस टेस्ट में यह जांचा गया कि क्या सभी पैराशूट (ड्रोग, पायलट और मेन पैराशूट) सही समय पर और सही क्रम में खुल रहे हैं या नहीं। परीक्षण के दौरान यान की गति को नियंत्रित कर उसे सुरक्षित लैंडिंग के लायक बनाया गया।

मिशन गगनयान: भारत का गौरव

ISRO का लक्ष्य अगले साल यानी 2027 तक तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर अंतरिक्ष में भेजना है।

तीन दिन का मिशन: यात्री तीन दिन अंतरिक्ष में बिताएंगे। इस मिशन के लिए भारत अपने सबसे शक्तिशाली रॉकेट LVM3 का उपयोग कर रहा है। मिशन का सबसे अहम हिस्सा यात्रियों को सुरक्षित समुद्र में लैंड कराना है।

जितेंद्र सिंह ने दी बधाई

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि (पूर्व में ट्विटर) पर ISRO की टीम को बधाई दी। उन्होंने इसे मिशन की तैयारी में एक 'ऐतिहासिक मील का पत्थर" बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब मानव को अंतरिक्ष में भेजने की अपनी क्षमता के बेहद करीब है।

किसने दिया साथ?

इस मिशन की सफलता के पीछे सिर्फ इसरो ही नहीं, बल्कि कई अन्य संस्थाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं:

भारतीय वायु सेना: चिनूक हेलीकॉप्टर के जरिए टेस्टिंग में मदद।

भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड: समुद्र में गिरे मॉड्यूल को सुरक्षित बाहर निकालने की जिम्मेदारी।

DRDO: तकनीकी सहायता और सुरक्षा उपकरण।

असम विधानसभा चुनाव में भारी मतदान, 84.42% टर्नआउट; बीजेपी-कांग्रेस दोनों उत्साहित

95% से अधिक मतदान होने को उन्होंने 'ऐतिहासिक' बताया

पंकज नाथ @ असम

असम में गुरुवार को हुई सामान्य बारिश के बावजूद असम विधानसभा चुनाव-2026 के 126 विधानसभा सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। शाम 5 बजे तक 84.42% मतदाता turnout दर्ज किया गया, जो 2021 के 82.42% और 2016 के 84.72% से बेहतर है। चुनाव आयोग ने कहा कि अंतिम आंकड़े सभी मतदान केंद्रों के समापन के बाद आएंगे। 2011 में turnout 75.92% था। सुबह राज्य के विभिन्न हिस्सों में धुंध और बारिश हुई, लेकिन इससे जनता का उत्साह कम नहीं हुआ। लोग भारी संख्या में घर से निकले और वोट डाले। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में प्रार्थना करने के बाद परिवार संग मतदान किया। उन्होंने कहा कि आज पहली बार हमारे लोग अभूतपूर्व संख्या में निकले। हमने विपक्ष को turnout में टक्कर दी और पार कर लिया। कई बूथों पर 95% से अधिक मतदान होने को उन्होंने 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा कि असम ने भाषा और जाति से ऊपर उठकर वोट दिया। लोगों ने अपनी जमीन, पहचान और संस्कृति को अवैध घुसपैठ तथा जनसांख्यिकीय आक्रमण से बचाने का संकल्प लिया। यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि असम के इतिहास का जलविद्युत क्षण है। परिणाम लोगों के चेहरों पर दिख रहा है—उम्मीद, गर्व और खुशी में। संदेश स्पष्ट हैः असम झुकेगा नहीं, लड़ेगा, बचेगा और टिकेगा। उधर असम कांग्रेस अध्यक्ष गौराव गोगोई भी उत्साहित थे। जोरहाट से चुनाव लड़ रहे गोगोई ने जनता का धन्यवाद दिया कि उन्होंने 'समय बदलने' के लिए अभूतपूर्व संख्या में वोट डाला। असमिया ने 'न्यू बोर-असम' (महान/एकीकृत असम) और नई नेतृत्व की आशा में वोट किया। उन्होंने चुनाव आयोग से ईवीएम की

सुरक्षा और 4 मई को सटीक गिनती सुनिश्चित करने को कहा। बीजेपी ने तीसरी लगातार सत्ता की मांग की, जबकि कांग्रेस खोई जमीन वापस पाने उतरी। बीजेपी ने 'घुसपैठियों को भगाने', विकास जारी रखने, शांति बनाए रखने और बाढ़ समस्या हल करने का वादा किया। कांग्रेस का सबसे बड़ा वादा—गायक-संस्कृतिकार जुबिन गार्ग को सत्ता में आने के 100 दिनों में न्याय दिलाना। जुबिन गार्ग सितंबर में सिंगापुर में समुद्र में तैरते हुए मरे थे। उनकी पत्नी गारिमा सैकिया गार्ग, जो बुधवार को अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं, वोट डालने नहीं भूलीं। उनके साथ जुबिन की बहन पाल्मे बोरठाकुर थीं। गारिमा ने कहा कि हम अभी भी उनके लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। कुल 722 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें 59 महिलाएं। पात्र मतदाता 2,50,54,463—1,25,31,552 पुरुष, 1,25,22,593 महिला और 318 ट्रांसजेंडर। चुनाव आयोग ने बयान जारी कर कहा कि राज्यभर से मतदाताओं ने उत्साह दिखाया। कुछ जगहों पर खराब मौसम के बावजूद उनका जोश अटल रहा। 2016 में एनडीए ने 15 साल पुरानी कांग्रेस सरकार को हटाकर सत्ता हासिल की थी। अब 4 मई तक सभीको नतीजों का इंतजार।

शांतिवार्ता से पहले अमेरिका की ईरान को कड़ी चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

डोनाल्ड ट्रंप ने हमें क्लियर गाइडलाइंस दी हैं। अगर ईरान के लोग पूरे भरोसे के साथ बात करते हैं तो इसे अच्छे से अंजाम दिया जाएगा। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर वह लोग हमारे साथ खेल खेलने की कोशिश करेंगे तो फिर अंजाम भी वैसा ही होगा। यह बातें आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहीं। वह ईरान और अमेरिका के बीच होने वाली महत्वपूर्ण बातचीत के लिए पाकिस्तान के लिए रवाना हो रहे थे। इस दौरान जेडी वेंस ने ईरान के साथ बातचीत सकारात्मक रहने की उम्मीद जताई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहाकि राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत करने जा रही टीम के लिए सीमाएं बना दी हैं। साथ ही डील होने की भी उम्मीद जताई है।

कैसा है वेंस का अप्रोच

पाकिस्तान रवानगी के लिए एयर फोर्स 2 में सवार होते हुए वेंस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति कह चुके हैं कि अगर ईरानी अच्छी मंशा के साथ बातचीत के इच्छुक हैं तो हम भी खुले हाथों से इसका स्वागत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अगर यह लोग हमारे साथ खेल खेलने की कोशिश करेंगे तो फिर हमारा जवाब भी उसी तरह का होगा। वेंस, लंबे समय से विदेशी सैन्य हस्तक्षेपों के प्रति संदेहपूर्ण रहे हैं। वह हमेशा खुले अंतहीन संघर्षों में सैनिक भेजने की संभावना के बारे में मुखर रहे हैं। शुक्रवार को वेंस पाकिस्तानी राजधानी इस्लामाबाद में ईरान के साथ मध्यस्थता वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए रवाना हुए।

अमेरिका पर दबाव

वेंस की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब एक अस्थायी, संघर्षविराम टूटने के कगार पर नजर आ रहा है। ईरान की और अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल की मांगों के बीच की खाई आसानी से सुलझती नहीं दिखाई दे रही है। अमेरिका में भी काफी ज्यादा दबाव बढ़ रहा है। दबाव तो वेंस के ऊपर भी है जो अगले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदार हो सकते हैं। अमेरिका पर इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए राजनीतिक और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

कौन-कौन जा रहा है

वेंस के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर भी शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय वाइट हाउस ने बातचीत के प्रारूप को लेकर बहुत कम जानकारी दी है। वार्ता प्रत्यक्ष होगी या अप्रत्यक्ष और न ही बैठक को लेकर कोई स्पष्ट अपेक्षाएं बताई गई हैं।

वेंस की बड़ी परीक्षा

यह अब तक वेंस के लिए सबसे बड़ी परीक्षा वाला क्षण है क्योंकि वेंस के पास खास कूटनीतिक अनुभव नहीं है। उन्होंने बुधवार को इस अटकल को खारिज किया था कि ईरानियों ने उनके वार्ता में शामिल होने का अनुरोध किया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहाकि मुझे यह नहीं पता। अगर यह सच है तो मुझे हैरानी होगी। मैं हालांकि इसमें शामिल होना चाहता था क्योंकि मुझे लगता है कि मैं कुछ बदलाव ला सकता हूं।

हिंदमाता एंकरः मंजूरी से पहले 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण जरूरी

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर नितिन गडकरी का सख्त रुख

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि यह सड़क निर्माण में एक बड़ी बाधा है।

गडकरी ने यह बात कहां कही?

उन्होंने ह्वविकसित भारत 2047ह्व पर आयोजित 17वें उ्रळ्ळ विश्वकर्मा अवॉर्ड्स एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए यह बात कही। गडकरी ने यह भी बताया कि राजमार्ग मंत्रालय के पास 15 लाख करोड़ रुपये के हाईवे एसेट्स हैं, जिन्हें मॉनेटाइज किया जा सकता है।

भूमि अधिग्रहण और क्लियरेंस क्यों हैं बड़ी समस्या?

गडकरी ने कहा, ह्वभूमि अधिग्रहण, वन और पर्यावरण मंजूरी हाईवे प्रोजेक्ट्स में बड़ी समस्याएं हैं। हमने पहले यह अनिवार्य किया था कि 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना कोई नई परियोजना शुरू नहीं होगी। अब मेरा मानना है कि 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना नई परियोजनाओं के लिए ह्वअपॉइंटेड डेटह्व भी नहीं दी जानी चाहिए।ह्व

ह्वअपॉइंटेड डेटह्व का क्या मतलब होता है?

ह्वअपॉइंटेड डेटह्व वह औपचारिक तारीख होती है, जब किसी हाईवे प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य शुरू करने का संकेत दिया जाता है। इसका मतलब होता है कि भूमि अधिग्रहण और सभी जरूरी मंजूरियां पर्याप्त रूप से पूरी हो चुकी हैं।

खराब सड़कों के लिए कौन जिम्मेदार है?

गडकरी ने यह भी दोहराया कि हाईवे निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (उ्धफ) तैयार करने वाले कंसल्टेंट्स ही खराब गुणवत्ता वाली सड़कों के असली जिम्मेदार हैं।

डीप्रीआर क्या होती है और किसकी भूमिका अहम है?

उन्होंने सुझाव दिया कि ठल्अकके रिटायर्ड अधिकारी अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए उ्धफतैयार करने वाली फर्म शुरू करें। उ्धफ एक विस्तृत ब्लूप्रिंट होती है, जिसमें सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े सभी तकनीकी, वित्तीय और लॉजिस्टिक्स पहलुओं का विवरण होता है।

निर्माण उद्योग के लिए गडकरी का क्या संदेश है?

मंत्री ने कहा कि निर्माण उद्योग में अपार संभावनाएँ हैं और इसे गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण लागत कम करने पर काम करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट को लेकर गहमागहमी

चुनाव आयोग की BJP से मिलीभगत: सपा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की ओर से जारी की जाने वाली इस लिस्ट में करीब 7 लाख वोटर्स के नाम कटने की संभावना है। फाइनल लिस्ट आने से पहले ही प्रदेश की मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी से मिला हुआ है और फर्जी वोट बढ़ाने की साजिश रच रहा है। कई महीने चली SIR प्रक्रिया के बाद अब उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने जा रहा है, लेकिन इससे पहले समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। सपा ने सोशल मीडिया पर कहा, "चुनाव आयोग पूरी तरह से बीजेपी से मिला हुआ है, और वह PDA के वोट काटने तथा भाजपाइयों के फर्जी वोट बढ़ाने की साजिश रच रहा है।"

सबूत जुटाएं कार्यकर्ता : सपा ने कार्यकर्ताओं को किया आगाह

पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा, "सभी कार्यकर्ता सतर्क रहें। सबूत एकत्र करें और इसे पार्टी दफ्तर पर जमा करें, जिससे जनता और कोर्ट में इन भाजपाइयों और चुनाव आयोग की बेईमानी का पर्दाफाश होगा।" उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी (CEO) नवदीप रिणवा आज दोपहर आधिकारिक रूप से इस लिस्ट को जारी करेंगे। यह फाइनल लिस्ट जिला निर्वाचन कार्यालयों, तहसील स्तर पर और आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। इस बीच फाइनल वोटर लिस्ट के बारे में सूत्रों का दावा है कि फाइनल लिस्ट में कुल 13.35 करोड़ वोटर्स के नाम दर्ज किए जाएंगे। 6 जनवरी को जारी वोटर लिस्ट ड्राफ्ट में 12.55 करोड़ वोटर्स थे, जिनमें 6.88 करोड़ पुरुष और 5.67 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। अब फॉर्म-6, फॉर्म-7 और अलग-अलग जांच के बाद करीब 80 लाख नए नाम जुड़ने और 7 लाख नाम कटने के बाद अंतिम आंकड़ा 13.35 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नाम काटे जाने वाले वोटर्स में सबसे ज्यादा संख्या उन लोगों की है, जिनके नाम का मिलान माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी से नहीं हो सका। इस मामले में 1.04 करोड़ वोटर्स को नोटिस भेजा गया था। इसके अलावा 2.22 करोड़ मामलों में तार्किक विसंगतियां पाई गईं जबकि 3.18 लाख लोगों ने खुद फॉर्म-7 भरकर अपना नाम लिस्ट से हटवाने का अनुरोध किया था।

पश्चिमी UP से ज्यादा नाम कटेंगे!

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नाम कटने की संख्या सबसे ज्यादा होने की आशंका जताई जा रही है। फाइनल लिस्ट में पुरुष वोटर्स की संख्या महिलाओं से ज्यादा रहेगी। फॉर्म-6 नाम जुड़वाने में 86.69 लाख आवेदनों में 43.06 लाख पुरुषों के और 43.62 लाख महिलाओं के थे। फॉर्म-7 भरकर नाम कटवाने या हटवाने को लेकर 3.18 लाख आवेदन किए गए थे। नोटिस प्राप्त करने वाले वोटर्स में भी लिंग के आधार पर कोई बड़ा अंतर नहीं है। 6 जनवरी को जारी ड्राफ्ट लिस्ट पर 6 मार्च तक दावे और आपत्तियां ली गईं। इस दौरान कुल 86.69 लाख लोगों ने फॉर्म-6 भरकर नया नाम जोड़ने की मांग की, जबकि 3.18 लाख ने फॉर्म-7 से नाम हटवाने की अपील की। चुनाव आयोग ने इन सभी आवेदनों और नोटिसों की गहन जांच के बाद फाइनल लिस्ट तैयार की है।

सब्जी मंडी में लगी भीषण आग, करीब 50 दुकानें जलकर खाक

लाखों का नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में फीनिक्स यूनाइटेड मॉल के पास एक सब्जी मंडी में आग लग गई। भीषण आग में लगभग 50 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। आधा दर्जन से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस आग बुझाने में जुटे हुए हैं। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पूरे बाजार में मची अफरा-तफरी

दरअसल लखनऊ में गुरुवार देर रात 10 बजे सब्जी मंडी में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लगभग 50 दुकानें चपेट में आ गईं। इनमें से कई दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। लपटें और धुआं करीब 3 किलोमीटर दूर से दिखाई दिया। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद करीब 10 से 12 जोरदार धमाके हुए। आशंका जताई जा रही है कि ये धमाके सिलेंडर फटने से हुए। पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। पूरे इलाके को खाली करा लिया गया।

शार्टसर्किट से लगी आग

कृष्णा नगर इलाके में फिनिक्स मॉल के पास सब्जी मंडी करीब 50 हजार स्क्वायर फीट में फैली है। यहां करीब 200 दुकानें लगती हैं, जिनमें फल, सब्जी, अनाज और किराना की दुकानें हैं IDCP साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जिसने आस पास की दुकानों को तेजी से चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही कृष्णा नगर एसीपी, आशियाना थाना समेत आसपास के थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई।

पूरे इलाके में फैल गया धुआं

मंडी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोरियां, गत्ता और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी थी, जिससे आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पूरे इलाके में धुआं फैल गया। तुरंत कृष्णा नगर, आलमबाग और पीजीआई फायर स्टेशन से 10 दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। करीब तीन घंटे के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

दोस्त की भाभी के साथ नैनीताल गया था छात्र, होटल में दरिंदगी

केस दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां एक महिला पर अपने देवर के दोस्त को बहला-फुसलाकर नैनीताल ले जाने और वहां उसका शारीरिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगा है। इतना ही नहीं, आरोप है कि महिला ने छात्र की अश्लील वीडियो बना ली और उसे वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांग रही थी। पीड़ित लड़के की उम्र 17 साल बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ पॉक्सो (POCSO) एक्ट, मारपीट और वसूली समेत अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 17 फरवरी को कक्षा 9 में पढ़ने वाला छात्र अचानक घर से लापता हो गया था। उसका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आने लगा, जिससे परिजन में हड़कंप मच गया। लड़के की मां ने खोजबीन शुरू की तो पता चला कि उसका बेटा अक्सर कैंपबेल रोड स्थित अपने एक दोस्त के घर जाता था। जब वह वहां पहुंची, तो उसे जानकारी मिली कि बेटे को दोस्त की भाभी अपने साथ कहीं बाहर ले गई है। इसके बाद मां ने तत्काल ठाकुरगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

नैनीताल के होटल में वारदात और अब ब्लैकमेलिंग

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लड़के को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया था, लेकिन घर लौटने के बाद किशोर गहरे सदमे में था। डरे-सहमे छात्र ने कई दिनों बाद परिजनों के सामने आपबीती सुनाई। पीड़ित के अनुसार, आरोपी महिला उसे घूमने के बहाने नैनीताल ले गई थी। रास्ते में मोबाइल से सिम कार्ड निकालकर तोड़ दिया। नैनीताल के एक होटल में आरोपी ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और चोरी-छिपे उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए। वापस आने के बाद महिला ने उन वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर किशोर से 10 लाख रुपये की मांग की। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। पुलिस की जांच में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि महिला और किशोर साथ में नैनीताल गए थे। आरोपी महिला अब अलग-अलग नंबरों से मैसेज भेजकर किशोर पर पैसों के लिए दबाव बना रही थी।

पुलिस ने दर्ज किया केस

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की मां की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी महिला को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस आरोपी महिला की तलाश में दबिश दे रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था।

शादी के 10 माह बाद युवक ने चुनी मौत

नपुंसकता से हताश होकर लगा ली फांसी

हिंदमाता नेटवर्क @ महोबा
महोबा में 28 वर्षीय नवविवाहित युवक ने नपुंसकता से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शादी के महज 10 माह बाद ही युवक शारीरिक कमजोरी और मानसिक हताशा का शिकार हो गया था। इलाज के बावजूद बीमारी के तनाव ने उसे मौत को गले लगाने पर मजबूर कर दिया। घटना महोबा जनपद के श्रीनगर थाना क्षेत्र के भंडरा गांव की है। 28 वर्षीय युवक का शव जब घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटका मिला, तो खुशियों वाले घर में मातम छा गया। अजय की शादी महज 10 महीने पहले ही मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की रहने वाली युवती से हुई थी। शादी के शुरुआती दिन किसी फिल्मी सपने की तरह थे। दोनों पति-पत्नी सोशल मीडिया पर रील बनाकर अपना प्यार जाहिर करते थे, लेकिन इस खुशहाल जिंदगी को अचानक किसी की नजर लग गई। मृतक के पिता राजकुमार ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद अजय शारीरिक रूप से नपुंसकता का शिकार हो गया। यह बीमारी अजय के लिए केवल शारीरिक कष्ट नहीं, बल्कि एक गहरा मानसिक घाव बन गई। पिता राजकुमार बताते हैं कि अजय हरियाणा में मजदूरी करता था और परिवार का सहारा था। बीमारी का पता चलने पर उसका इलाज एक वैद्य के पास कराया जा रहा था, जिससे उसे सुधार भी महसूस हो रहा था। लेकिन अजय अंदर ही अंदर इस बात से टूट चुका था। घटना के वक्त घर पर कोई मौजूद नहीं था। पिता अपनी बहू को मायके छोड़ने गए थे। सूने घर में अजय ने मौत का रास्ता चुन लिया। जब पिता घर लौटे तो बेटे को फंदे पर लटका देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। महज 10 महीने के भीतर ही सुनीता का सुहाग उजड़ गया है और उसका रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और गंभीर बीमारियों से उपजी हताशा पर चर्चा छेड़ दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस खौफनाक कदम ने एक हंसते-खेलते परिवार को ताउम्र का दर्द दे दिया है।

गेमिंग में डूबा पैसा और दोस्त से लिया कर्ज

लखनऊ में छात्र ने फांसी लगाकर दे दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मानक नगर इलाके में 22 साल के छात्र विशाल सिंह ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, ऑनलाइन गेमिंग में पैसे डूबने और मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया। विशाल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और साथ ही बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाता था। परिवार के अनुसार, विशाल पिछले कुछ समय से काफी परेशान था, लेकिन उसने अपनी परेशानी किसी से साझा नहीं की। घटना का पता तब चला जब उसकी दादी दूसरी मंजिल पर गईं और उसे कमरे में फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और मोबाइल फोन को भी जब्त कर लिया गया है। मृतक के पिता दिनेश सिंह ने बताया कि विशाल ने कुछ समय पहले एक दोस्त से करीब 30 हजार रुपये उधार लिए थे। परिवार का आरोप है कि वही दोस्त लगातार उसे प्रताड़ित कर रहा था, जिससे वह मानसिक दबाव में था। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विशाल को क्रिकेट खेलने का शौक था और वह लेफ्ट आर्म बॉलर था। उसने अंडर-16 स्तर तक ट्रायल भी दिया था, लेकिन अंतिम चरण में चयन नहीं हो सका। कोरोना काल के बाद उसने क्रिकेट से दूरी बना ली थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के पीछे के कारणों को खंगाल रही है।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी मानव तस्करी केस में 9 दोषी करार

7-8 साल की सजा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मानव तस्करी के एक बड़े मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। NIA और यूपी एटीएस से जुड़े इस केस में विशेष न्यायाधीश जैनेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने नौ लोगों को दोषी करार देते हुए उन्हें सजा सुनाई है। अदालत ने जिन्हें सजा सुनाई है, उनमें मोहम्मद नूर समेत रहमतुल्ला, शबीउररहमान, इस्माइल, अब्दुल शकूर, आले मियां, मोहम्मद रफीक, बप्पन और मोहम्मद हुसैन शामिल हैं। इन सभी को मानव तस्करी का दोषी पाया गया है। इनमें से मोहम्मद नूर सहित कई को 8 साल की सजा सुनाई गई, जबकि अन्य को 7 साल की कैद हुई है। सभी दोषियों पर अलग-अलग राशि का जुर्माना भी लगाया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह एक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह था, जो भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के जरिए रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में एंट्री दिलाता था। इस गैंग का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ था और यह लंबे समय से एक्टिव था। गैंग का तरीका बेहद संगठित और सुनियोजित था। महिलाओं को शादी का झांसा देकर उन्हें बेच दिया जाता था, जबकि पुरुषों और बच्चों को फैक्ट्रियों में काम दिलाने के नाम पर शोषण का शिकार बनाया जाता था। इस तरह यह गिरोह मानव तस्करी कर रहा था। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब यूपी एटीएस ने मोहम्मद नूर को सर्विलांस पर लिया। इसके बाद 26 जुलाई 2021 को उसे गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद कई पीड़ितों को मुक्त कराया गया और गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंच बनाई गई। जांच के दौरान दिल्ली समेत अन्य स्थानों पर छापेमारी की गई और गैंग के बाकी सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि त्रिपुरा बॉर्डर के जरिए पैसों लेकर अवैध तरीके से घुसपैठ कराई जाती थी, जिसके बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में भेज दिया जाता था। इस पूरे ऑपरेशन के जरिए सुरक्षा एजेंसियों ने एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

हर्षित भट्ट मौत मामले में तीन दोस्तों पर हत्या का केस

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुले कई राज

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा
नोएडा में 23 वर्षीय छात्र हर्षित भट्ट की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। यह एफआईआर परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना सेक्टर 126 में दर्ज की गई है, जिसमें हर्षित के साथ मौजूद तीन छात्रों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह साफ हुआ है कि हर्षित की मौत डूबने से हुई। रिपोर्ट के अनुसार, उसके फेफड़ों में मिट्टी भर गई थी। पुलिस के अनुसार, हर्षित की मौत सेक्टर 94 में बने एक तालाबनुमा गड्ढे में डूबने से हुई थी। घटना के समय उसके साथ उसके तीन दोस्त भी मौजूद थे।

पुलिस करेगी पूछताछ, तीनों आरोपियों के बयान होंगे दर्ज

इस घटना के बाद से ही परिजन लगातार इसे संदिग्ध मान रहे थे। उनका कहना था कि सिर्फ डूबने की बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता, इसलिए उन्होंने पुलिस में शिकायत दी। परिजनों की इसी तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों छात्रों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

सेक्टर 94 के गड्ढे में डूबने से हुई थी हर्षित की मौत

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अब इस मामले में मौजूद तीनों छात्रों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना के समय क्या हुआ और किन परिस्थितियों में हर्षित की मौत हुई। मामले की जांच के दौरान पुलिस हर पहलू पर ध्यान दे रही है ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके। फिलहाल पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी सामने आ पाएगी। बता दें, हर्षित भट्ट एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी का छात्र था और इंदिरापुरम की शिप्रा रिवेरा सोसायटी में रहता था। उसकी मौत सेक्टर 94 में बने एक तालाबनुमा गड्ढे में डूबने से हुई थी। घटना के समय उसके साथ तीन दोस्त भी मौजूद थे, जिन्हें अब नामजद आरोपी बनाया गया है।

लोन चुकाने के लिए बना फर्जी इनकम टैक्स अफसर

दुकानदारों से करता था वसूली

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर
उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस ने फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर दुकानदारों से वसूली करने वाले मुख्य आरोपी सरस कुमार गुप्ता को घटना के छह दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से नकली पहचान पत्र और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पूछताछ में उसने अपने लोन की रकम चुकाने के लिए फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर लूट करने की योजना बनाई थी। मामला 2 अप्रैल 2026 का है, जब शादियाबाद चौराहे पर एक व्यक्ति खुद को आयकर अधिकारी बताकर दुकानदारों को डरा-धमका रहा था और उनसे पैसे वसूल रहा था। आरोपी नकली पहचान पत्र दिखाकर कार्रवाई का भय दिखाता था।

हिंदमाता एंकर: डर और घबराहट पैदा कर पीड़ित को तुरंत समाधान लेने के लिए कहा जाता था, जिससे वह बिना सोचे-समझे उनकी बातों में आ जाता था

नोएडा के फर्जी कॉल सेंटर ने 450 विदेशी लोगों से ठगे 8 करोड़, 16 पहुंचे जेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा
नोएडा में साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। यह कॉल सेंटर सेक्टर 16 में संचालित हो रहा था, जहां से विदेशी नागरिकों को निशाना बनाकर हाईटेक तरीके से ठगी की जा रही थी। पुलिस ने छापेमारी कर इस गिरोह के 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सरगना भी शामिल बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में ही यह खुलासा हुआ है कि गिरोह करीब 450 विदेशी नागरिकों से 8 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

संगठित तरीके से चल रहा था ठगी का नेटवर्क

पुलिस के अनुसार, यह कोई साधारण कॉल सेंटर नहीं था, बल्कि पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से चलाया जा रहा साइबर फ्रॉड का अड्डा था। यहां काम करने वाले सभी लोग प्रशिक्षित थे और इन्हें खास तौर पर विदेशी नागरिकों से अंग्रेजी में बात करने की ट्रेनिंग दी गई थी। कॉल सेंटर में अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं, जिसमें कॉल करने वाले एजेंट, टेक्निकल सपोर्ट बताने वाले लोग और पैसे वसूलने वाले अलग-अलग सदस्य शामिल थे। गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया और इंटरनेट पर टेक्निकल सपोर्ट के नाम से विज्ञापन डालते थे। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका और यूरोप के नागरिकों से संपर्क किया जाता था। बातचीत के दौरान खुद को किसी बड़ी कंपनी का टेक्निकल एक्सपर्ट बताकर लोगों को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनके कंप्यूटर या लैपटॉप में वायरस है या वह हैक हो चुका है। डर और घबराहट पैदा कर पीड़ित को तुरंत समाधान लेने के लिए कहा जाता था, जिससे वह बिना सोचे-समझे उनकी बातों में आ जाता था।

पढ़े-लिखे युवक निकले साइबर ठग

डीसीपी साइबर सावे शैव्या गोयल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कई युवक अच्छी तरह शिक्षित हैं, जिनमें 12वीं, बीए, बीकॉम और बीटेक पास शामिल हैं। इन लोगों ने अपनी तकनीकी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हुए साइबर अपराध को अंजाम दिया। इन्हें खासतौर पर विदेशी नागरिकों को फंसाने के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। उनका यह भी कहना है कि यह गिरोह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके बैंक खातों व डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

स्क्रीन ब्लैक कर बनाते थे दबाव

इस गिरोह की ठगी करने का सबसे खतरनाक तरीका यह था कि आरोपी स्क्रीन शेयरिंग के जरिए पीड़ित के सिस्टम तक पहुंच बना लेते थे और उसकी स्क्रीन को ब्लैक कर देते थे। इससे पीड़ित को लगता था कि उसका सिस्टम पूरी तरह से हैक हो गया है और अब वह खुद कुछ नहीं कर सकता। इस स्थिति में आरोपी समस्या ठीक करने के नाम पर पैसे मांगते थे और पीड़ित मजबूरी में भुगतान कर देता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह पिछले करीब 6 महीनों से सक्रिय था। इस दौरान उन्होंने लगभग 450 विदेशी नागरिकों को अपना शिकार बनाया।

क्रिप्टोकरेंसी से छुपाते थे ठगी का पैसा

आरोपी ठगी से मिली रकम को सीधे अपने बैंक खातों में रखने के बजाय क्रिप्टोकरेंसी में बदल देते थे। इससे पैसे का ट्रैक करना मुश्किल हो जाता था। इसके बाद इस रकम को आपस में बांट लिया जाता था। पुलिस अब इन ट्रांजेक्शन की गहराई से जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों की तलाश भी जारी है। पुलिस ने कॉल सेंटर से चार लैपटॉप, 16 मोबाइल फोन, 16 हेडफोन, 15 कंप्यूटर, एक मॉडेम और दो राउटर बरामद किए हैं। इन उपकरणों में ठगी से जुड़े कई डिजिटल सबूत मिले हैं, जिससे इस पूरे नेटवर्क के विस्तार का पता लगाया जा रहा है।

शॉर्ट स्टोरी

जहरीली शराब कांड में मास्टरमाइंड गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मोतिहारी

बिहार के मोतिहारी जिले को दहला देने वाले जहरीली शराब कांड में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस पूरे खेल के सबसे बड़े मास्टरमाइंड और 'मौत के सौदागर' कहे जाने वाले स्प्रिट माफिया लवकुश यादव को गिरफ्तार कर लिया है।लवकुश की गिरफ्तारी तुरकौलिया इलाके से हुई है। मोतिहारी में जहरीली शराब की वजह से अब तक दस लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, दर्जनों लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है और कई लोगों ने अपनी आंखों की रोशनी खो दी है। इस मामले में पुलिस ने पहले भी कई लोगों को पकड़ा था, लेकिन मुख्य आरोपी गिरफ्त से बाहर था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लवकुश यादव ने ही जहरीली स्पिरिट की बड़ी खेप मंगवाई थी। उसकी योजना जिले में बड़े पैमाने पर तबाही मचाने की थी। पुलिस ने उसके पास से भारी मात्रा में स्प्रिट भी बरामद की है। पुलिस जांच में पता चला है कि ये जहरीली स्प्रिट उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की एक कंपनी से मंगवाई गई थी। ये खेप गोरखपुर के रास्ते मोतिहारी पहुंची थी। लवकुश यादव ने इस स्प्रिट को मोतिहारी के खुदरा विक्रेताओं और स्थानीय स्प्रिट माफिया कन्हैया यादव को बेचा था। आरोपी ने पुलिस के सामने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उसने कन्हैया यादव को स्प्रिट बेचने की बात भी कबूल की है। लवकुश यादव की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। एसपी ने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम (SIT) की एक टीम फिलहाल दिल्ली और यूपी में डेरा डाले हुए है।

नीतीश कुमार की संसदीय पारी शुरू, ली शपथ

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की सियासत के लिए आज का दिन एक बड़े और ऐतिहासिक बदलाव का गवाह बना है। लंबे समय तक सूबे की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार कुछ देर पहले राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। शपथ लेने से पहले नीतीश कुमार ने संसद भवन में राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा से मुलाक़ात की। इसी के साथ नीतीश उन चुनिंदा नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं जो चारों सदन, यानी- विधानसभा, विधानपरिषद, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन उन्हें उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार आज शाम ही दिल्ली से पटना लौट आएंगे, जिसके बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा, 'नीतीश कुमार जी देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। सुशासन को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की हर तरफ सराहना हुई है। उन्होंने बिहार के विकास में अमिट योगदान दिया है। उन्हें एक बार फिर संसद में देखना बहुत सुखद होगा। सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव से संसद की गरिमा और बढ़ेगी। राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई और आगे के कार्यकाल के लिए ढेरों शुभकामनाएं।' नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के साथ ही बिहार में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सस्पेंस गहरा गया है। इस बीच नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण से पहले पटना स्थित बीजेपी दफ्तर के बाहर सम्राट चौधरी को बिहार का नया सीएम घोषित करने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में से कुछ को पार्टी दफ़्तर के कर्मचारियों ने हटा दिया जिन पर 'वाल्मीकि समाज' का नाम लिखा था। आज ही बीजेपी ने नई सरकार के स्वरूप और नेतृत्व को लेकर दिल्ली में 'कोर ग्रुप' की बड़ी बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व बिहार के प्रमुख नेताओं के साथ मंथन करेगा। बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा पहले से ही दिल्ली में मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार, 14 अप्रैल को एनडीए विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग सकती है।

स्कूली छात्रा के साथ 10 लोगों ने किया रेप

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में नाबालिग छात्रा के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। यहां चार महीने पहले घर से स्कूल के लिए निकली 14 साल की 9वीं की छात्रा अचानक लापता हो गई थी। घर न लौटने पर परिजनो ने खोजबीन की। जब छात्रा नहीं मिली तो परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस नसर्विलांस और, सीसीटीवी कैमरे की मदद से अब जाकर नाबालिग छात्रा तक पहुंची है। छात्रा से पूछताछ में पता चला कि उसके साथ अलग-अलग होटलों 10 लोगों ने रेप किया। पुलिस ने युवती का बयान दर्ज कर मेडिकल कराया जिसमें रेप की पुष्टि हुई है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया 4 लोगों को जेल भेज दिया गया है और अन्य 6 लोगों से पूछताछ जारी है। गोरखपुर के चौरी चौरा थाना क्षेत्र की रहने वाली कक्षा 9 वीं की पीड़ित छात्रा परिवार में बीमार मां के साथ अकेले रहती थी। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि छात्रा के पिता गुजरात में रहकर मजदूरी करते है, जिसकी वजह से छात्रा को पढ़ाने के लिए छात्रा की मौसी चौरी चौरा क्षेत्र में स्थित अपने घर ले गई। यहां बीते 1 नवंबर को वह स्कूल के लिए घर से निकली तो वापस नहीं लौटी। एक हफ्ते तक परिवार और रिश्तेदार खोजते रहे। छात्रा नहीं मिली तो परिजनों ने 7 नवंबर को गुमशुदगी का केस दर्ज कराया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस तलाश में जुटी। सीसीटीवी, सर्विलांस की मदद से युवती तक पहुंची। 4 महीने बाद 23 मार्च को छात्रा को बरामद कर अपने साथ लाई। पूछताछ में उसने बताया कि 'जब मैं 1 नवंबर 2025 को सुबह 9 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली तो रास्ते में उसका जानने वाला ऑटो चालक मनीष राजभर (उर्फ मोनू) मिल गया।

रूबियो-मिसरी मुलाकात: ईरान-अमेरिका तनाव के बीच अहम बातचीत

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की वाशिंगटन में अहम मुलाकात हुई है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ह्वाइट हाउस में हुई। इस दौरान अमेरिका ने भारत के साथ व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा सहयोग और क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) समेत द्विपक्षीय संबंधों के कई प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

भारत-अमेरिकी की रणनीतिक साझेदारी होगी मजबूत

भारतीय दूतावास ने 'X' पर पोस्ट में लिखा, भारत-अमेरिका अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए तत्पर हैं। इससे पहले विक्रम मिसरी ने अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ और राजनीतिक मामलों की अवर विदेश मंत्री एलिसन हूकर से अलग-अलग मुलाकातें कीं। उप विदेश मंत्री लैंडौ के साथ बैठक में दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका की करीबी साझेदारी की पुनः पुष्टि की और फारस की खाड़ी की मौजूदा स्थिति तथा अन्य क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। एलिसन हूकर ने कहा कि उन्होंने और मिसरी ने चर्चा की कि रक्षा और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत और अमेरिका कैसे और अधिक निकटता से काम कर सकते हैं। उन्होंने क्वाड के माध्यम से हो रहे सहयोग का भी जिक्र किया।

इन नेताओं से भी मिले मिसरी

विदेश सचिव मिसरी ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की। दोनों ने आतंकवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने में भारत-अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग पर सार्थक चर्चा की। मिसरी की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका ईरान के साथ चल रहे तनाव और मध्य पूर्व की स्थिति पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उपराष्ट्रपति जे डी। वैंस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरानी नेताओं के साथ वार्ता के लिए इस्लामाबाद जा रहा है।

मई में भारत आएंगे रूबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो अब अगले महीने यानी मई में भारत की यात्रा करेंगे। वह भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की यात्रा करेंगे। जबकि मिसरी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका गए हैं। व्हाइट हाउस में हुई बैठक में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे। राजदूत गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर लिखा :"व्हाइट हाउस में विदेश सचिव विक्रम मिसरी का स्वागत है। विदेश मंत्री रुबियो के साथ बेहद सार्थक बैठक हुई, जिसमें हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर खास तौर पर व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और क्वाड पर ध्यान केंद्रित किया गया। रूबियो भारत यात्रा को लेकर काफी उत्सुक हैं।"

भारतीय लेखिका और पत्रकार पल्लवी अय्यर ने बीजिंग में अपनी नयी पुस्तक का विमोचन किया

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

भारतीय लेखिका और पत्रकार पल्लवी अय्यर ने यहां एक समारोह में अपनी नवीनतम पुस्तक 'ट्रैवल्स इन द अदर प्लेसः पर्सुइंग द सेल्फ इन एट एक्ट्स' का विमोचन किया। 'ट्रैवल्स इन द अदर प्लेस' उनके संस्मरणों, दर्शन और यात्रा वृत्तांतों का मिलाजुला रूप है। उनके शब्दों में यह पुस्तक आठ निबंधों का एक मौलिक और आत्मनिरीक्षणात्मक संग्रह है जो भौतिक और भावनात्मक दोनों तरह के बदलते भौगोलिक परिवेश में पहचान और अपनेपन की खोज करती है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक 1980 के दशक के भारत में किताबों के बीच बीते बचपन से लेकर 2022 में स्पेन में कैंसर की बीमारी होने की जानकारी तक को समेटे हुए है। बीजिंग में बृहस्पतिवार को पत्रकारों और साहित्यकारों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह पुस्तक एक विदेशी संवाददाता के नजरिए से अंतर्मुखी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें व्यक्तिगत और सार्वभौमिक दोनों तरह की अंतर्दृष्टियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक का प्रत्येक निबंध जीवन के एक अलग चरण में, दुनिया के एक अलग हिस्से में उनके जीवन को दर्शाता है। दो दशकों से अधिक के अपने करियर में अय्यर ने भारत के अलावा चीन, बेल्जियम, जापान, इंडोनेशिया और स्पेन से रिपोर्टिंग की है। वह सात पुस्तकें लिख चुकी हैं। उन्होंने 2002 से 2009 के बीच द हिंदू सहित कई भारतीय समाचार पत्रों के लिए बीजिंग स्थित विदेशी संवाददाता के रूप में काम किया।

इमरजेंसी कोड 7700! फारस की खाड़ी में गिरा अमेरिका का सबसे महंगा ड्रोन MQ-4C ट्राइटन

क्या ईरान ने गिराया?

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना का एक अत्याधुनिक MQ-4C ट्राइटन 9 अप्रैल 2026 को ड्रोन फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ान भर रहा था। अचानक इसने अंतरराष्ट्रीय इमरजेंसी कोड 7700 रिलीज किया, जो पायलट या कंट्रोल सिस्टम को किसी बड़ी समस्या का संकेत देता है। इसके तुरंत बाद ड्रोन 10 मिनट से भी कम समय में 12 हजार मीटर से ज्यादा की ऊंचाई खोते हुए तेजी से नीचे गिरने लगा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट्स पर यह 52 हजार फीट से 9500 फीट तक गिरता दिखा। फिर रडार से गायब हो गया। यह घटना स्टेट ऑफ होर्मुज के पास हुई, जहां दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल रूट है। अभी तक अमेरिकी नौसेना ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन ओपन सोर्स ट्रैकिंग डेटा ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है।

MQ-4C ट्राइटन ड्रोन क्या है? पूरी स्पेसिफिकेशन

MQ-4C ट्राइटन अमेरिकी नौसेना का हाई अल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (HALE) ड्रोन है, जो नॉर्थ्रोप ग्रुम्मन कंपनी ने बनाया है। यह RQ-4 ग्लोबल हॉक का समुद्री संस्करण है। मुख्य रूप से समुद्र की निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और लंबी दूरी की टोह लेने के काम आता है। इसकी लंबाई 47.6, पंखों का फैलाव 130.9 फीट और ऊंचाई 15.4 फीट है। इसका अधिकतम टेकऑफ वजन साढ़े 14 हजार किलो से ज्यादा है। इसमें रोल्स-रॉयस AE 3007H टर्बोफैन इंजन लगा है, जो इसे 575 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड देता है। यह 56 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है। एक बार में 24 से 30 घंटे तक हवा में रह सकता है। इसकी रेंज 15200 किलोमीटर है। ड्रोन में 360 डिग्री मल्टीफंक्शन रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इंफ्रारेड कैमरा, सिग्नल इंटेलिजेंस (SIGINT) सेंसर और स्वचालित जहाज ट्रैकिंग सिस्टम लगे हैं। एक ड्रोन की कीमत लगभग 20 करोड़ डॉलर (1856 करोड़ रुपये) है। यह बिना पायलट के उड़ता है। ग्राउंड स्टेशन से 5 सदस्यों की टीम इसे कंट्रोल करती है। ट्राइटन मुख्य रूप से समुद्री इलाकों में दुश्मन जहाजों, पनडुब्बियों और मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखने के लिए इस्तेमाल होता है। ड्रोन (सीरियल नंबर 169804) स्टेट ऑफ होर्मुज के पास खुफिया मिशन पर था। लगभग तीन घंटे की निगरानी के बाद यह इटली के सिगोनेला नेवल एयर स्टेशन की ओर लौट रहा था। फ्लाइटराडार24 जैसी वेबसाइट्स पर यह Bahrain के उत्तर में दिख रहा था। अचानक इसमें कम्युनिकेशन लिंक लॉस का कोड 7400 आया, फिर जनरल इमरजेंसी का कोड 7700। इसके बाद ड्रोन तेजी से नीचे गिरने लगा। सिर्फ 10 मिनट में 12 हजार मीटर ऊंचाई कम हो गई और फिर ट्रैकिंग सिग्नल पूरी तरह बंद हो गया। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ड्रोन फारस की खाड़ी के पानी में गिर गया हो सकता है, लेकिन कोई मलबा या आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है।

क्या ईरान ने ड्रोन को गिराया?

अभी यह सवाल सबसे ज्यादा पूछा जा रहा है – क्या ईरान ने इसे गोली मार दी? ईरान ने कोई दावा नहीं किया है और अमेरिकी सेना ने भी चुप्पी साध रखी है। विशेषज्ञ कई संभावनाएं बता रहे हैं।

पहला – टेक्निकल फेलियर या इंजन खराबी।

दूसरा – सैटेलाइट कम्युनिकेशन लिंक का ब्रेकडाउन, जिससे ड्रोन कंट्रोल से बाहर हो गया।

तीसरा – ईरान की इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (EW) या जैमिंग।

ईरान के पास रूस और चीन की मदद से मजबूत जैमिंग सिस्टम हैं, जो ड्रोन के सिग्नल बाधित कर सकते हैं। 2019 में भी ईरान ने इसी इलाके में अमेरिकी RQ-4A ग्लोबल हॉक ड्रोन को मार गिराया था। उस समय ईरान ने दावा किया था कि ड्रोन उसके हवाई क्षेत्र में घुसा था, जबकि अमेरिका ने कहा था कि यह अंतरराष्ट्रीय पानी के ऊपर था। इस बार भी इलाका संवेदनशील है, लेकिन कोई मिसाइल लॉन्च या रडार ट्रैक का सबूत नहीं मिला है। अगर ईरान ने जैमिंग की तो ड्रोन अपने आप नीचे गिर सकता था। लेकिन बिना सबूत के शॉट डाउन कहना जल्दबाजी होगी। अमेरिकी नौसेना अब जांच कर रही है और शायद जल्द ही कुछ बयान आए।

बिजनेस वर्ल्ड

वाइल्डलाइफ मेडिसिन से कंजर्वेशन तक, वनतारा यूनिवर्सिटी में मिलेंगे खास कोर्स

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

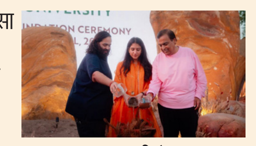

भारत में वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा (वेटरनरी) शिक्षा को नई दिशा देने के लिए वनतारा ने एक बड़ी पहल की है। यह संस्था अनंत अंबानी द्वारा स्थापित की गई है। जो गुजरात के जामनगर में स्थित है और वन्यजीवों के रेस्क्यू, इलाज, पुनर्वास और संरक्षण पर काम करती है। यहां आधुनिक वेटरनरी इलाज, बेहतर देखभाल, वैज्ञानिक तरीकों और बड़े स्तर पर कंजर्वेशन प्लानिंग का इस्तेमाल किया जाता है। यह संस्था अलग-अलग प्रजातियों के जानवरों को खास इलाज, रिकवरी और लंबे समय तक देखभाल की सुविधा देती है। गुजरात के जामनगर में वनतारा विश्वविद्यालय शुरू की जा रही है, जो दुनिया की पहली ऐसी यूनिवर्सिटी होगी जो पूरी तरह वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन और वेटरनरी साइंस को समर्पित होगी। इसका मकसद भारत को इस क्षेत्र में ग्लोबल हब बनाना है। इस यूनिवर्सिटी को एक आधुनिक गुरुकुल की तरह तैयार किया जा रहा है, जहां पढ़ाई के साथ-साथ प्रकृति, जानवरों और संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता भी सिखाई जाएगी। यहां का कोर्स भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान का मेल होगा। अनंत अंबानी ने कहा कि भविष्य में संरक्षण इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों को कितनी अच्छी ट्रेनिंग देते हैं, ताकि वे जानवरों की देखभाल ज्ञान, कौशल और संवेदनशीलता के साथ कर सकें। इस यूनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट और स्पेशल कोर्स कराए जाएंगे। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन, सर्जरी, एनिमल बिहेवियर, जेनेटिक्स, न्यूट्रिशन, एपिडेमियोलॉजी और कंजर्वेशन पॉलिसी जैसे विषय शामिल होंगे। यह यूनिवर्सिटी सिर्फ थ्योरी नहीं, बल्कि ग्राउंड लेवल पर काम करने का अनुभव भी देगी। वनतारा के फील्ड एक्सपीरियंस को पढ़ाई का हिस्सा बनाया जाएगा, ताकि छात्र असली समस्याओं को समझकर समाधान निकाल सकें। यूनिवर्सिटी की नींव रखने के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों जंगल, पहाड़, रेगिस्तान और वेटलैंड्स से मिट्टी और पानी लाया गया। यह भारत की जैव विविधता और प्राकृतिक धरोहर को दर्शाता है।

बिक गई जेपी कंपनी, अदाणी बने नए मालिक! जिनके पैसे फंसे हैं उनका क्या होगा?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

चार दशक से अधिक समय तक देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट सेक्टर में अपनी धाक जमाने वाली कंपनी 'जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड' (JAL) के लिए अब एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। लंबे समय से भारी-भरकम कर्ज और आर्थिक संकट के बोझ तले दबी इस कंपनी की बागडोर अब अडानी ग्रुप के हाथों में होगी। जेपी ग्रुप के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने खुद इस बदलाव पर अपनी मुहर लगा दी है। उनका यह बयान उन हजारों घर खरीदारों, कर्मचारियों और निवेशकों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है, जो सालों से अनिश्चितता के भंवर में फंसे हुए थे। जयप्रकाश गौड़ ने स्पष्ट किया है कि कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (CoC) द्वारा अडानी समूह को सफल समाधान आवेदक (रेज़ोल्यूशन एप्लिकेंट) के रूप में चुना जाना एक सही कदम है, और वे इस फैसले का पूरा सम्मान करते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि गौतम अडानी के नेतृत्व में जयप्रकाश एसोसिएट्स की विरासत एक नई ऊर्जा, जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ेगी। गौड़ ने पूरी दिवालिया समाधान प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी और निष्पक्ष बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इस जटिल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स और रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल की भूमिका की भी सराहना की। जयप्रकाश गौड़ ने भी इस बात को स्वीकार किया कि पिछला कुछ समय कंपनी से जुड़े हर व्यक्ति, चाहे वह घर खरीदार हो, कर्मचारी हो, कर्जदाता हो या बिजनेस पार्टनर, सभी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है। इस समाधान प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य ही कर्ज की समस्या को सुलझाना और नए मालिकाना हक के तहत कंपनी के कामकाज को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है। अडानी ग्रुप के मजबूत वित्तीय ढांचे के कारण अब अटके हुए प्रोजेक्ट्स के पूरे होने और लोगों को उनके घर मिलने की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। यह अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी तरह से विवादों से मुक्त नहीं रही है। इस मामले में एक कानूनी लड़ाई भी देखने को मिली।

एक दिन में ही विदेशों से आने वाला पैसा हो जाएगा क्रेडिट, RBI ने किया नियमों में बड़ा बदलाव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

विदेश से पैसा आने में लगने वाली देरी अब जल्द ही खत्म होने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि विदेशी ट्रांजैक्शन के जरिए आने वाला पैसा अब उसी दिन ग्राहक के खाते में जमा किया जाए। इस कदम का मकसद लोगों को बेहतर सुविधा देना और भारत के पेमेंट सिस्टम को दुनिया के स्तर पर मजबूत बनाना है। अभी तक क्या होता था कि जब कोई व्यक्ति विदेश से पैसा भेजता था, तो उसे खाते में आने में कई बार एक-दो दिन या उससे ज्यादा समय लग जाता था। इससे लोगों को परेशानी होती थी, खासकर उन लोगों को जो अपने परिवार या बिजनेस के लिए इस पैसे पर निर्भर रहते हैं। RBI ने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यह नया नियम लागू किया है। अब नए नियम के मुताबिक, अगर बैंक को विदेशी पैसा यानी इनवर्ड रेमिटेंस विदेशी मुद्रा बाजार के समय के दौरान मिलता है, तो उसे उसी दिन ग्राहक के खाते में जमा करना होगा। अगर पैसा बाजार के समय के बाद आता है, तो उसे अगले कार्य दिवस में क्रेडिट करना जरूरी होगा। हालांकि, यह सभी ट्रांजैक्शन FEMA के नियमों के अनुसार ही होंगे। RBI ने सिर्फ पैसे के क्रेडिट की समय सीमा ही तय नहीं की है, बल्कि बैंकों को यह भी कहा है कि जैसे ही उन्हें विदेश से पैसा आने की सूचना मिले, वे तुरंत ग्राहक को इसकी जानकारी दें। अगर यह सूचना बैंकिंग समय के बाद मिलती है, तो ग्राहक को अगले कार्य दिवस की शुरुआत में जानकारी देना जरूरी होगा। इससे ग्राहकों को अपने पैसे की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा RBI ने बैंकों की कार्यप्रणाली में सुधार पर भी जोर दिया है। अभी कई बैंक दिन के अंत में अपने खातों का मिलान करते हैं, जिससे देरी होती है। अब उन्हें कहा गया है कि वे इस प्रक्रिया को रियल-टाइम या कम से कम हर एक घंटे में अपडेट करें, ताकि पैसा जल्दी क्रेडिट हो सके। टेक्नोलॉजी के मामले में भी बैंकों को अपने सिस्टम मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। RBI चाहता है कि बैंक ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करें, जहां ग्राहक अपने ट्रांजैक्शन को ट्रैक कर सकें, जरूरी दस्तावेज जमा कर सकें और रियल टाइम में स्टेटस देख सकें। साथ ही बैंकों को STP जैसे ऑटोमेटेड सिस्टम अपनाने की सलाह दी गई है।

ट्रंप के दामाद के पास है कितनी दौलत? अरब देशों में फैला है 16,000 करोड़ का कारोबार!

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता इन दिनों वैश्विक कूटनीति के केंद्र में है। इस पूरी कवायद में जो एक नाम सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर का। दिलचस्प बात यह है कि कुशनर की पहचान किसी मझे हुए राजनयिक की नहीं, बल्कि एक ऐसे दिग्गज कारोबारी की है जिनका मध्य पूर्व के देशों में अरबों डॉलर का विशाल साम्राज्य फैला हुआ है। शांति समझौते के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मध्य पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को अधिकृत किया गया है। मेज के दूसरी तरफ, ईरान का प्रतिनिधित्व वहां की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची कर रहे हैं। इस पूरी टीम में 45 वर्षीय कुशनर की मौजूदगी सबसे ज्यादा चौंकाने वाली है क्योंकि उनके पास विदेश नीति का कोई औपचारिक अनुभव नहीं है। जेरेड कुशनर का प्रभाव केवल वॉशिंगटन की सत्ता तक सीमित नहीं है, उनका असली दखल मध्य पूर्व के व्यापार जगत में है। व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल (2017-2021) के दौरान वरिष्ठ सलाहकार रहने के बाद कुशनर ने 'एफिनिटी पार्टनर्स' नाम से एक निजी इक्विटी फर्म की शुरुआत की थी। इस फर्म को सबसे बड़ी वित्तीय ताकत सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड (PIF) से मिली। सऊदी अरब ने उनकी कंपनी में लगभग 2 अरब डॉलर (16,000 करोड़ रुपये से अधिक) का भारी-भरकम निवेश किया। केवल सऊदी अरब ही नहीं, बल्कि कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे अन्य खाड़ी देशों से भी कुशनर की कंपनी को बड़े पैमाने पर पैसा मिलता है। खाड़ी देशों के साथ उनके इसी गहरे आर्थिक रिश्ते के कारण ईरान के साथ उनकी बातचीत को कूटनीति से ज्यादा कारोबारी हितों के चश्मे से देखा जा रहा है। न्यू जर्सी के एक संपन्न रियल एस्टेट परिवार में जन्मे जेरेड ने शुरुआत में अपने पारिवारिक कारोबार 'कुशनर कंपनीज' की कमान संभाली और उसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। फोर्ब्स की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, कुशनर की कुल संपत्ति 1 अरब डॉलर के पार पहुंच चुकी है। उनका जीवन राजनीति, व्यापार और ग्लैमर के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। साल 2007 में दोस्तों के जरिए उनकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप से हुई थी। धार्मिक मान्यताओं के चलते 2008 में दोनों के बीच कुछ समय का अलगाव भी हुआ, लेकिन बाद में इवांका ने यहूदी धर्म अपना लिया।

ट्रंप-पुतिन से तंग आ गया

ब्रिटिश PM स्टार्मर का विस्फोटक बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ ब्रिटेन

ईरान जंग और वैश्विक तेल संकट के बीच अब ब्रिटेन की नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने साफ शब्दों में कहा है कि वह अमेरिका और रूस की नीतियों से तंग आ चुके हैं। उनका कहना है कि इन देशों के फैसलों का सीधा असर ब्रिटेन के आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। एक इंटरव्यू में स्टार्मर ने अपनी झुंझलाहट जाहिर करते हुए कहा, मैं इस बात से परेशान हो चुका हूं कि देशभर के परिवारों और कारोबारियों के ऊर्जा बिल ऊपर-नीचे होते रहते हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि दुनिया के किसी कोने में पुतिन या ट्रंप क्या फैसला लेते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान जंग के कारण तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव, और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों ने पहले ही वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर रखा है। 2022 से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर में तेल और गैस की कीमतों को प्रभावित किया। अब ईरान जंग ने इस संकट को और गहरा कर दिया है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप का किया बचाव

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के फैसलों का बचाव किया है। व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने कहा, कई विश्व नेता दशकों से ईरान के खतरे की बात करते रहे, लेकिन कुछ नहीं किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने साहसिक कदम उठाया है ताकि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। इसी बीच, स्टार्मर ने इजरायल की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सीजफायर के दौरान लेबनान पर हमला करना रगलतर है। ईरान पहले ही अमेरिका पर सीजफायर के उल्लंघन का आरोप लगा चुका है, जिसमें लेबनान पर हमले को एक बड़ा कारण बताया।

ईंधन सप्लाई प्रभावित होने से बढ़ रही महंगाई

ब्रिटेन के लिए यह संकट सिर्फ विदेश नीति का मुद्दा नहीं, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था का भी बड़ा सवाल बन गया है। ईंधन की कीमतें बढ़ने से महंगाई का दबाव बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसका असर आम लोगों की जिंदगी पर और गहरा हो सकता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने इस पूरे हालात को देश के लिए एक टर्निंग पॉइंट बताया। उन्होंने कहा, पिछले दो दशकों से ब्रिटेन लगातार संकटों का सामना कर रहा है। 2008 की आर्थिक मंदी, ब्रेक्सिट, कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध। अब ईरान जंग को एक नई शुरुआत की तरह देखना होगा।

रूस ने अचानक कर दी यूक्रेन के साथ युद्ध विराम की घोषणा

पुतिन ने खुद किया ऐलान; जानें वजह

हिंदमाता नेटवर्क @ यूक्रेन

रूस और यूक्रेन के बीच 4 साल से अधिक समय से चल रहा युद्ध फिलहाल थम गया है। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अचानक युद्धविराम की घोषणा कर दी है। क्रेमलिन के इस कदम का लोग स्वागत कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बड़ा दिल दिखाते हुए खुद ही यूक्रेन के साथ युद्ध विराम का ऐलान किया है। हालांकि यह युद्ध विराम स्थाई नहीं है, बल्कि 32 घंटे के लिए है।

पुतिन यूक्रेन में क्यों की युद्ध विराम की घोषणा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्वयं बृहस्पतिवार को यूक्रेन में युद्ध विराम का ऐलान किया। उन्होंने यह घोषणा 'ऑर्थोडॉक्स ईस्टर' सप्ताहांत के दौरान की। इसके तहत अगले 32 घंटे के लिए युद्धविराम का ऐलान किया गया है। इस दौरान रूस यूक्रेन पर कोई भी हमला नहीं करेगा। पुतिन ने अपनी सेना को यह निर्देश दे दिया है।

पुतिन ने माना जेलेंस्की का आह्वान

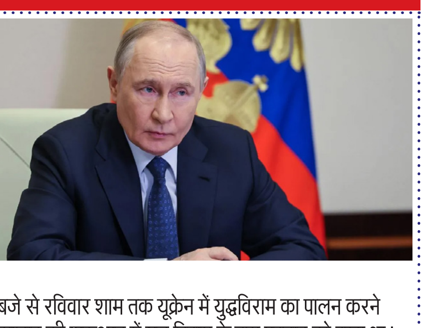

पुतिन ने 32 घंटे के युद्ध विराम की घोषणा तब की, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने 'ऑर्थोडॉक्स ईस्टर' के मौके पर कुछ समय के लिए शत्रुता को रोकने का आह्वान किया था। जेलेंस्की की इस अपील के बाद'क्रेमलिन' (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा जारी पुतिन के आदेश में रूसी सेनाओं को स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम चार बजे से रविवार शाम तक यूक्रेन में युद्धविराम का पालन करने को कहा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस सप्ताह की शुरुआत में युद्ध विराम के इस प्रस्ताव को रखा था। जेलेंस्की की मांग थी कि दोनों पक्ष छुट्टियों के दौरान एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद कर दें।

युद्धविराम के बाद भी छिटपुट घटनाएं जारी

जेलेंस्की ने रूस को युद्ध विराम का यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभा रहे अमेरिका के माध्यम से दिया था। इसके बाद पुतिन ने पिछले ईस्टर पर एकतरफा 32 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की, लेकिन दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगाया। युद्धविराम की घोषणा करते हुए क्रेमलिन द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि "इस अवधि के दौरान सभी सीमाओं पर शत्रुता पर रोक के आदेश जारी किए गए हैं"।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की पकड़ कायम, एलएनजी टैंकर लौटा

हिंदमाता नेटवर्क @ न्यूयॉर्क

'निडी' नामक बोत्सवाना ध्वज वाले एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर ने रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा निर्धारित मार्ग से फारस की खाड़ी से बाहर निकलने का प्रयास किया था, लेकिन शुक्रवार तड़के जहाज अचानक मुड़कर वापस लौट आया, जिससे यह पता चलता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण बना हुआ है। नौवहन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने वाली एक कंपनी ने यह सूचना दी।डेटा और एनालिटिक्स कंपनी 'केप्लर' के अनुसार, बृहस्पतिवार को चार टैंकर और तीन मालवाहक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे जिससे युद्धविराम के बाद से गुजरने वाले जहाजों की कुल संख्या कम से कम 12 हो गई है। हालांकि, ऐसे अन्य जहाज भी गुजरे होंगे जिन्होंने अपनी स्थिति की जानकारी नहीं दी। शांति काल में इस जलडमरूमध्य से आमतौर पर प्रतिदिन 100 से अधिक जहाज गुजरते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार शाम को ईरान युद्ध को रोकने वाले युद्धविराम समझौते के प्रभावी होने को लेकर संदेह व्यक्त किया था। ट्रंप ने बृहस्पतिवार शाम को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''ईरान बहुत खराब काम कर रहा है। ईरान तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने देने के संदर्भ में बहुत खराब काम कर रहा है। कुछ लोग इसे शर्मनाक कहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच ऐसा कोई समझौता नहीं है।'' इस पोस्ट से पहले ट्रंप ने एक और पोस्ट में कहा था, ''ऐसी खबरें हैं कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले टैंकरों से शुल्क वसूल रहा है – उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो उन्हें अभी इसे बंद कर देना चाहिए!'' अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने युद्धविराम समझौते के तहत जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का समर्थन किया है, लेकिन उसका कहना है कि ट्रंप ईरान की सेना का विरोध करते हैं जो जलमार्ग पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है।व्हाइट हाउस ने कहा कि जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों पर ईरान द्वारा शुल्क लगाकर राजस्व बढ़ाने की कोशिश का भी ट्रंप विरोध करते हैं।

हिंदमाता एंकर भारत जैसे देशों में पेट्रोल 300/लीटर और दाल 200/किलो हो सकता है, देशों के बीच झगड़े, युद्ध का खतरा और पर्यावरणीय नुकसान बढ़ जाएगा

होर्मुज की तरह दुनिया के ये भी हैं 10 बड़े चोक पॉइंट, अगर यहां टोल लग जाए तो कितनी बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

होर्मुज की तरह अगर दुनिया के 10 बड़े चोक पॉइंट- मलक्का, स्वेज, पनामा, जिब्राल्टर और बाकी सब टोल वसूलने लगें तो 80% ग्लोबल समुद्री व्यापार टोल का जाल बन जाएगा। जहाजों की लागत 2-5 गुना बढ़ेगी, महंगाई का तूफान आ जाएगा। भारत जैसे देशों में पेट्रोल 300/लीटर और दाल 200/किलो हो सकता है। देशों के बीच झगड़े, युद्ध का खतरा और पर्यावरणीय नुकसान बढ़ जाएगा। दुनिया का 80 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की तरह हर बड़ा समुद्री मार्ग और नहर टोल वसूलने लगे तो पूरी दुनिया का समुद्री व्यापार टोल-टैक्स का जाल बन जाएगा। तटीय देश कहेंगे कि पैसा दो, वरना घुसने नहीं देंगे। तेल, कंटेनर, खाना, कारें – हर चीज की कीमत आसमान छू लेगी। शिपिंग कंपनियां या तो भारी टोल भरेंगी या अफ्रीका घूमकर लंबा रूट लेंगी। दोनों ही हालत में महंगाई का तूफान आएगा। अमीर देश कुछ संभाल लेंगे, लेकिन भारत, चीन, यूरोप और अफ्रीका जैसे देशों में पेट्रोल 300/लीटर और दाल 200/किलो जैसी स्थिति बन सकती है।

दुनिया का समुद्री व्यापार कैसे टोल के जाल में फंस जाएगा?

कोई भी बड़ा जहाज समंदर पार करने के लिए कई चोक पॉइंट पार करता है। हर जगह पैसे मांगे जाएंगे। शिपिंग कंपनियों की लागत 2 से 5 गुना बढ़ जाएगी। या तो वे टोल भरकर सीधा रास्ता लेंगी या महीनों का समय और ईंधन खर्च करके लंबा रूट चुनेंगी। बंदरगाहों पर जहाजों की कतारें लग जाएंगी। बीमा प्रीमियम आसमान छू लेगा। स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट आएगी। छोटे-छोटे देश जो इन समुद्री मार्गों को नियंत्रित करते हैं, वे अचानक अमीर बन जाएंगे। लेकिन पूरा वैश्विक व्यापार ठप हो जाएगा।

क्या-क्या समस्याएं खड़ी होंगी?

सबसे बड़ी समस्या आर्थिक तबाही होगी। ग्लोबल ट्रेड का खर्चा इतना बढ़ जाएगा कि सस्ता सामान भी महंगा हो जाएगा। महंगाई 10-20 प्रतिशत या उससे ज्यादा हो सकती है। तेल, गैस, खाद्य पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक्स – सबकी सप्लाई चेन टूट जाएगी। गरीब देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे क्योंकि भारत जैसे देश 90 प्रतिशत व्यापार समुद्र से करते हैं। जियो-पॉलिटिकल लड़ाई भी शुरू हो जाएगी। हर देश अपना होर्मुज बनाने की कोशिश करेगा। ईरान, मलेशिया, मिस्र, पनामा, तुर्की, इंडोनेशिया – सब टोल किंग बन जाएंगे। देशों के बीच झगड़े बढ़ेंगे।

10 सबसे बड़े चोक पॉइंट जहां टोल सबसे पहले लग सकता है

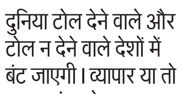
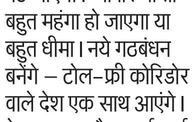

- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज
- स्ट्रेट ऑफ मलक्का
- लाल सागर का दरवाजा
- स्वेज नहर
- पनामा नहर
- स्ट्रेट ऑफ जिब्राल्टर
- तुर्की के स्ट्रेट्स
- डेनिश स्ट्रेट
- इंग्लिश चैनल / स्ट्रेट ऑफ डोवर
- स्ट्रेट ऑफ ताइवान

अन्य महत्वपूर्ण: सुंडा-लोम्बोक (मलक्का का विकल्प), बोस्निया नहीं बल्कि केप ऑफ गुड होप (अफ्रीका घूमने का रूट) और बेरिंग स्ट्रेट (आर्कटिक रूट खुलने पर)।

दुनिया दो हिस्सों में बंट जाएगी

दुनिया टोल देने वाले और टोल न देने वाले देशों में बंट जाएगी। व्यापार या तो बहुत महंगा हो जाएगा या बहुत धीमा। नये गठबंधन बनेंगे – टोल-फ्री कोरिडोर वाले देश एक साथ आएंगे। रेल, सड़क और हवाई मार्ग बढ़ेंगे, लेकिन वे भी सीमित और महंगे हैं। आखिर में, होर्मुज जैसा सीन हर चोक पॉइंट पर हो गया तो वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल जाएगी। छोटे-छोटे देश बड़ी ताकत बन जाएंगे। लेकिन आम आदमी की जेब पर सबसे ज्यादा बोझ पड़ेगा।

दैनिक ठाणे, शनिवार 11 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

थलपति विजय की 'जन नायकन' रिलीज से पहले लीक

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के फैंस के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। एक तरफ जहां उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर फिल्म के महत्वपूर्ण दृश्यों के इंटरनेट पर लीक होने की खबर ने मेकर्स और प्रशंसकों की रातों की नींद उड़ा दी है। 'जन नायकन' फिल्म के पांच मिनट से अधिक के फुटेज ऑनलाइन लीक हो गए हैं। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, KVN Productions LLP ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कानूनी नोटिस जारी किया है। फिल्म के दृश्यों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के तुरंत बाद, प्रोडक्शन हाउस की कानूनी टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी किया।

■ नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि फिल्म 'जन नायकन' के कुछ दृश्यों को अवैध रूप से एक्सेस, डाउनलोड और साझा किया गया है। लीगल टीम ने चेतावनी दी है कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स, यूट्यूब या किसी भी टॉरेंट वेबसाइट के जरिए लीक क्लिप साझा करना एक गंभीर आपराधिक अपराध है। ऐसा करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीम ने यह भी बताया कि उन्होंने पहले ही उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है जिसने सबसे पहले इन दृश्यों को डाउनलोड और फॉरवर्ड किया था। मेकर्स ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस फिल्म को बनाने में सैकड़ों करोड़ रुपए निवेश किए गए हैं। फिल्म की थियेट्रिकल वैल्यू, सैटेलाइट राइट्स और ओटीटी डील सीधे तौर पर इसके कंटेंट की सुरक्षा पर निर्भर करती है।

■ 'जन नायकन' विजय के करियर की 69वीं और आखिरी फिल्म है, क्योंकि इसके बाद वे पूर्णकालिक राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं। ऐसे में इस फिल्म का व्यावसायिक रूप से सफल होना पूरी टीम के लिए बेहद जरूरी है। 'जन नायकन' को पहले 9 जनवरी 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिल्म सेंसर बोर्ड के साथ विवादों में फंस गई। निर्देशक एच. विनोथ के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर है। फिल्म में थलपति विजय के साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, प्रकाश राज और प्रियामणि अहम किरदार में हैं।

शाहिद कपूर का दिखेगा दमदार गैंगस्टर अवतार

प्राइम वीडियो ने शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' के विशेष वैश्विक डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की है। विशाल भारद्वाज द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने अपने बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया है। फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी मुख्य भूमिकाओं में नजर आते हैं। इनके साथ नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल अहम भूमिकाओं में हैं, जबकि विक्रांत मैसी फिल्म में विशेष उपस्थिति में दिखाई देंगे।

■ यह फिल्म अब भारत सहित दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर देखी जा सकती है। 1994 के अशांत बॉम्बे की पृष्ठभूमि पर आधारित 'ओ रोमियो' की कहानी उस्तरा नाम के एक खौफनाक गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गुप्त रूप से खुफिया अधिकारी इस्माइल खान के लिए भी काम करता है। उसका नया मिशन उसे दहेश दुग्गल नाम के एक फाइनेंसर के खिलाफ खड़ा करता है, जिसका संबंध स्पेन में बैठे गैंगस्टर जलाल से है।

■ लेकिन कहानी तब नया मोड़ लेती है जब उसकी मुलाकात अफशान से होती है- एक ऐसी विधवा जो अपने प्रेमी बिल्लू की हत्या का बदला लेने की आग में जल रही है। हिंसा और वफादारी पर टिका यह मिशन धीरे-धीरे भावनाओं के खतरनाक टकराव में बदल जाता है, जहां प्यार, धोखा और ज़िंदा रहने की जंग एक-दूसरे में घुलने लगते हैं। विशाल भारद्वाज की विशिष्ट कहानी कहने की शैली, मुंबई माफिया की सच्ची घटनाओं से प्रेरित रहस्यपूर्ण वातावरण, दमदार दृश्य, जबरदस्त एक्शन और यादगार अभिनय के साथ, साथ ही गुलजार के संगीत से सजी 'ओ रोमियो' एक ऐसी रोमांचक फिल्म बन जाती है जो सिर्फ एक्शन नहीं, बल्कि प्यार और ताकत की चाह में लिए गए फैसलों की मानवीय कीमत को भी सामने लाती है।

मासिक धर्म बहाना नहीं: श्रीलीला

बीते महीने 'उस्ताद भगत सिंह' के एक इवेंट के दौरान अभिनेत्री श्रीलीला ने अपने माहवारी (पीरियड्स) को लेकर एक बयान दिया था। इसके बाद वो विवादों में घिर गई हैं और सोशल मीडिया पर लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने पीरियड्स के दौरान भी काम करना जारी रखा, क्योंकि उनका मानना है कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनका यह बयान ही सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विवादों में घिर गया। हालांकि, बाद में इस बयान को सोशल मीडिया के उस पेज से हटा दिया गया, जिस पर अपलोड किया गया था।

श्रीलीला ने कही थी ये बात

उस इवेंट के दौरान श्रीलीला ने कहा था कि मेरे सभी गाने, कम से कम उनमें से अधिकांश की सराहना हुई है। मैंने मासिक धर्म के दौरान भी शूटिंग की है, इसलिए यह किसी भी तरह का बहाना नहीं है। जब हम सत्ता में कुछ चाहते हैं, जब हम समानता चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें शारीरिक बाधाओं को पार करना होगा। इसलिए मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, ये सब कोई बहाना नहीं है।

निशाने पर आईं श्रीलीला

श्रीलीला की इसी टिप्पणी के बाद वो सोशल मीडिया पर नेटिजंस के निशाने पर आ गईं। कई यूजर्स ने कहा कि पीरियड्स के दौरान हर किसी का अनुभव अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को हल्की परेशानी होती है, जबकि कुछ को असहनीय दर्द होता है, जो दैनिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है। कई लोगों ने पीसीओएस जैसी स्थितियों का भी जिक्र किया, जो मासिक धर्म को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। श्रीलीला एक मेडिकल फील्ड से आती हैं और खुद भी डॉक्टरी पढ़ी हुई हैं, इसलिए उन्हें और भी लोगों ने निशाने पर लिया। कई लोगों ने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के जनरलाइज बयान से महिलाओं के स्वास्थ्य की जटिलताओं को नजरअंदाज किया गया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म है। इसके अलावा वह धनुष के साथ एक आगामी तमिल प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक D55 है। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ममूटी और साई पल्लवी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

लखनऊ सुपर जाएंट्स के श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा टूर्नामेंट से हुए बाहर

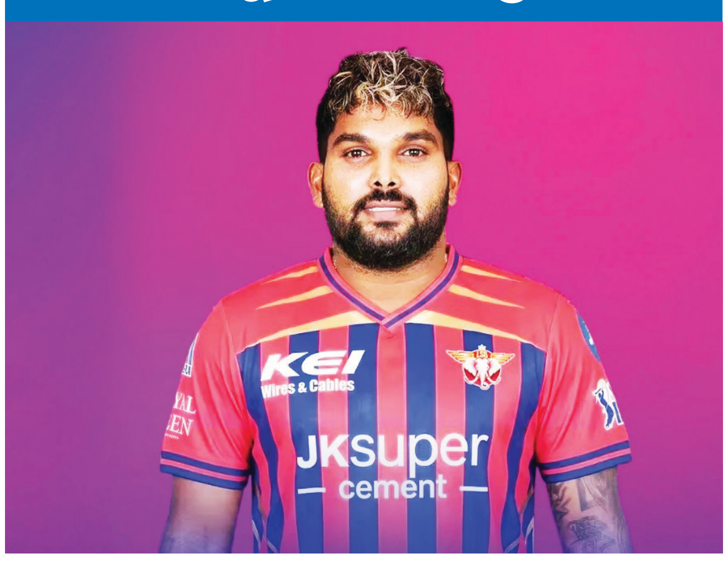

श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण मौजूदा आईपीएल सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी फ्रेंचाइजी, लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इसकी पुष्टि कर दी है। फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण हसरंगा अभी तक पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स अगले 24-48 घंटों के भीतर श्रीलंकाई स्पिनर की जगह लेने वाले वैकल्पिक खिलाड़ी की घोषणा कर सकते हैं।

टॉम मूडी ने दी जानकारी

लखनऊ सुपर जाएंट्स के वैश्विक निदेशक टॉम मूडी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल प्रसारक को बताया कि वानिंदु हसरंगा टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे और हम अगले 24 से 48 घंटों में उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को लेने की तैयारी कर रहे हैं। हसरंगा लगभग दो महीनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। खबरों के अनुसार वह अभी भी गेंदबाजी करने में असमर्थ हैं और उन्होंने अभी तक श्रीलंका क्रिकेट से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए आवेदन नहीं किया है।

लिंडे ले सकते हैं हसरंगा की जगह

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर जॉर्ज लिंडे को हसरंगा के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने अभी तक आईपीएल में कोई मैच नहीं खेला है। जॉर्ज लिंडे ने अपना आखिरी टी20 मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई द्विपक्षीय सीरीज की चार पारियों में केवल एक ही विकेट हासिल किया था। वह टी20 विश्व कप में भी खेल चुके हैं। बीते 12 महीनों में वह एसएस20, 'द हंड्रेड', 'मेजर लीग क्रिकेट' और पीएसएल जैसी विभिन्न फ्रेंचाइजी लीगों का भी हिस्सा रहे हैं। एलएसजी ने पिछली नीलामी में हसरंगा को दो करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन चोटिल होने के कारण वह टीम के साथ नहीं जुड़ पाए। हसरंगा फरवरी-मार्च में हुए टी-20 विश्व कप के दौरान श्रीलंका के पहले ही मैच में अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से ही क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। हसरंगा ने आईपीएल करियर में कुल 37 मैच खेले हैं, जिसमें 24.32 की औसत के साथ 46 विकेट लिए। इस दौरान एक बार 'फाइव विकेट हॉल' हासिल किया है। पिछले सीजन में वह राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे, जबकि 2021 से 2023 तक वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेले थे।

रणदीप हुडा ने शेयर की नन्ही परी की झलक

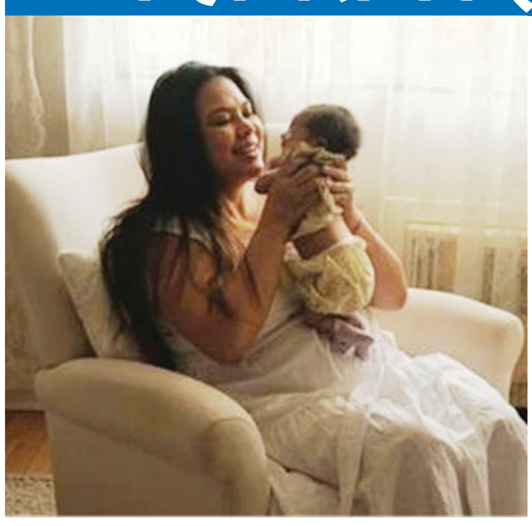

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुडा और उनकी पत्नी रणदीप हुडा इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर का आनंद ले रहे हैं। 10 मार्च को कपल के घर बेटी का जन्म हुआ था, जिसकी खुशखबरी उन्होंने फैंस के साथ शेयर की थी। अब एक्टर ने एक और खास पोस्ट साझा करते हुए अपनी नन्हीं परी की झलक दिखाई है।

बेटी के नाम का किया खुलासा

रणदीप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी बेटी का नाम 'न्योमिका हुड्डा' बताया। इस पोस्ट के साथ उन्होंने बेहद भावुक कैप्शन लिखा कि हमारी दुनिया का एक नया आधार। इतना ही नहीं, उन्होंने एक प्यारा सा वॉइस नोट भी शेयर किया, जिसमें दोनों अपनी बेटी का नाम बड़े प्यार से लेते हुए सुनाई दे रहे हैं।

फैंस और सेलेब्स ने दी बधाइयां

एक्टर की इस पोस्ट पर फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के सितारों ने जमकर प्यार लुटाया। हर कोई कपल को बेटी के जन्म की शुभकामनाएं दे रहा है और 'न्योमिका' नाम की भी खूब तारीफ कर रहा है।

10 मार्च को आई थी खुशियां

इससे पहले रणदीप ने 10 मार्च को पिता बनने की खबर शेयर की थी। उन्होंने दो तस्वीरें पोस्ट की थीं, एक में उनके पिता की गोद में नवजात बेटी नजर आ रही थी, जबकि दूसरी में बच्ची के नन्हे हाथों की झलक दिखाई गई थी।

इमोशनल नोट ने छुआ दिल

पिता बनने के बाद रणदीप ने एक भावुक पोस्ट भी लिखा था, जिसमें उन्होंने अपने पिता और पत्नी का आभार जताया। उन्होंने कहा था कि इस नए रिश्ते ने उनकी जिंदगी को और गहरा बना दिया है और उनकी बेटी उनकी जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा है।

सलमान खान के राइट हैंड बनेंगे राजपाल यादव!

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है।

सलमान की फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री

सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है। सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा कि राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

मोनालिसा का हॉट लुक

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी की दुनिया तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मोनालिसा यानि अंतरा बिसवास एक बार फिर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आईं उनकी इन तस्वीरों ने फैंस के होश उड़ा दिए हैं।

क्लासिक Black and Brown कॉम्बिनेशन में ढाया कहर

इन तस्वीरों में मोनालिसा ने एक बेहद स्टाइलिश ब्लैक वेलवेट कॉर्सेट टॉप पहना हुआ है, जिस पर चमकीले स्टोन या बीड्स का बारीकी से काम किया गया है। यह टॉप उनके लुक को एक रॉयल और विंटेज टच दे रहा है। इसके साथ उन्होंने डार्क ब्राउन कलर की लेयर्ड मिनी स्कर्ट कैरी की है, जो उनके आउटफिट को एक ट्रेंडी सेमी-फॉर्मल वाइब दे रही है। मोनालिसा का मेकअप इस पूरे लुक की जान है। 'विंग्ड आईलाइनर' और 'स्मैश रेड' लिपस्टिक के साथ अपने चेहरे को काफी शार्प लुक दिया है। उनके बालों को 'हाफ-अप, हाफ-डाउन' स्टाइल में बांधा गया है, जिसमें उनकी कुछ लटें उनके चेहरे पर गिर रही हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही हैं।

एक्सेसरीज ने खींचा ध्यान

एक्सेसरीज की बात करें तो, मोनालिसा ने बड़े पर्ल ड्रॉप इयररिंग्स पहने हैं, जो उनके डार्क आउटफिट के साथ बेहतरीन कंट्रास्ट पैदा कर रहे हैं। उनके हाथों में गोल्ड टोन के ब्रेसलेट्स और अंगूठियां उनके लुक को पूरा कर रही हैं।

हर पोज में दिखा आत्मविश्वास

इन तस्वीरों की सबसे खास बात मोनालिसा का कॉन्फिडेंस है। चाहे वो कैमरे की ओर देख रही हों या 'कैंडिड' पोज दे रही हों, उनकी हर अदा में एक ग्रेस नजर आ रहा है। एक तस्वीर में वे बेड के पास बैठकर पोज दे रही हैं, तो दूसरी तस्वीरों में वे कर्टन्स के पास खड़ी होकर अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट कर रही हैं।

'दादी की शादी' का पोस्टर रिलीज

'दादी की शादी' में नीतू कपूर और कपिल शर्मा सहित कई सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म में नीतू अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ किसी फिल्म में पहली बार नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है। जाने कब रिलीज होगी 'दादी की शादी'।

पहला लुक

निर्माताओं ने आज 'दादी की शादी' का पहला पोस्टर लुक शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा कि दादी इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं और सारे नियम तोड़ रही हैं। क्या परिवार उनके साथ है या उनके खिलाफ? दादी की शादी में, जनरेशन डी से जनरेशन जेड तक सभी आमंत्रित हैं।

'दादी की शादी' की स्टार कास्ट

'दादी की शादी' में कपिल शर्मा, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, दक्षिण के सुपरस्टार सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब सहित कई सहायक कलाकार हैं। 'दादी की शादी' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग शिमला में हुई है।

700 स्कूली बच्चों के साथ होगा एक गाना

इस फिल्म का सबसे रोमांचक हिस्सा इसका क्लाइमेक्स सीक्वेंस है। फिल्म के निर्देशक मोहन ने बताया कि एंड-क्रेडिट सॉन्ग में शिमला और आसपास के कई स्कूलों के 700 बच्चे, पूरी कास्ट के साथ नजर आएंगे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप